राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार,01अगस्त2020 वर्ष-3, अंक -186 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सावधान! बिहार के इन दस जिलों में भारी बारिश होगी, वज्रपात का भी अलर्ट जारी

पटना। बिहार में मॉनसून की सक्रियता लगातार बनी हुई है। पिछले 24 घंटों में राज्य के पूर्वी भाग में भारी बारिश दर्ज की गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक मॉनसून की अक्षीय रेखा के पटना और वाराणसी से गुजरने और पूर्वी उत्तर प्रदेश से मध्यप्रदेश तक एक ट्रफ रेखा बनने की वजह से राज्य के दस जिलों में भारी बारिश और वज्रपात की स्थिति बनी है।

साथ ही सूबे के अनेक भाग में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। जिन जिलों में अगले 24 घंटों में भारी बारिश की स्थिति बन सकती है उनमें सारण, सीवान, सीतामढ़ी, मधुबनी, दरभंगा, खगड़िया, समस्तीपुर, सुपौल अररिया, किशनगंज शामिल हैं। गुरुवार को शिवहर, सीतामढी, दरभंगा, पूर्वी चंपारण, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, वैशाली समेत कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। राज्य में सबसे ज्यादा बारिश कटिहार में 100 मिमी, बालतारा में 80 मिमी, ठाकुरगंज, बेलसंड और बीहपुर में 60 मिमी बारिश दर्ज की गई। पूर्णिया में भी 29.5 मिमी बारिश हुई। पटना में

दोपहर बाद बादल छाए रहे लेकिन बारिश नहीं हुई। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक अभी मानसून की सक्रियता बिहार में बने रहने के आसार हैं।

ऐसा रहा पारा-गुरुवार को पटना का अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री सेल्सियस रहा जबकि गया का 33.9, भागलपुर का 33.6 और पूर्णिया का 32.2 डिग्री सेल्सियस रहा। शुक्रवार को पटना समेत इन चारों शहरों में बारिश के आसार हैं।

बिगड़ा बजट-कोरोना की वजह से घटी कमाई, गुजारे के लिए 40 प्रतिशत परिवारों को लेना पड़ा कर्ज

नई दिल्ली। देश में कोरोना महामारी ने कम आय वर्ग के लोगों की कमाई घटाने के साथ ही उन पर कर्ज का बोझ लाद दिया है। करीब तीन चौथाई लोगों की या तो नौकरी चली गई या रोजगार छिन गया है। 40 फीसदी परिवारों को कर्ज लेना पड़ रहा है। वहीं, दो तिहाई लोग काम की तलाश में घर नहीं छोड़ना चाहते हैं। सरकारी मदद मिल रही है, लेकिन वो इतनी नहीं की जरूरतें पूरी कर पाए। ग्लोबल कंस्लटिंग कंपनी डालबर्ग की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। देशभर में 5 अप्रैल से 3 जून के बीच करीब 47 हजार लोगों से राय ली गई। लोगों ने बताया कि मार्च के बाद आमदनी 60त्न तक घटी

है। मार्च में जो लोग 10 रुपए कमा पाते थे वो अप्रैल और मई में 4 से साढे 4 हजार कमा पा रहे हैं। 23 फीसदी परिवारों को मई महीने के दौरान कोई आय ही नहीं हुई।

मुफ्त राशन से राहत-संकट की घड़ी में सार्वजनिक वितरण प्रणाली बड़ा सहारा बनी। अप्रैल में 50त्न परिवारों तक जबकि जून में 91 पर्सेंट लोगों को मुफ्त राशन मिलने लगा था। कैश ट्रांसफर की रकम भी खाते में पहुंचने लगी। कुल मिलाकर 84 पर्सेंट लोग सरकारी प्रयासों से संतुष्ट दिखे।

काम मिलने की आस घटी-देश के कुल 16 राज्यों में हुए सर्वे में कोरोना के बाद से हालात पर लोगों की मिलीजुली राय रही। बिहार में 32त्न यूपी में 19, झारखंड में 22, हरियाणा में 25 फीसदी लोग शहर लौटना चाहते हैं, लेकिन उन्हें डर है कि नौकरी या काम-धंधा अगले दो महीने तक शुरू नहीं कर पाएंगे। केरल, ओडिशा के लोग मानते हैं कि उन्हें पुरानी नौकरी मिल जाएगी।

अयोध्या में पीएम मोदी देखेंगे त्रेता युग जैसी तस्वीर, रामायणकालीन प्रसंगों की आकृतियों से सजाई जा रही राम नगरी

अयोध्या। 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन करने अयोध्या आएंगे तो उन्हें हर तरफ त्रेता युग के जैसी तस्वीर देखने को मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी के आने से पहले अयोध्या को नई-नवेली दुल्हन की तरह सजाया जा रहा है। हर तरफ बहुरंगी छटा बिखेरे जाने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।

अयोध्या आगमन पर प्रधानमंत्री मोदी के हेलीकाप्टर साकेत महाविद्यालय में बनाए जा रहे हेलीपैड पर उतरेंगे। यहां से प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से रामजन्मभूमि के लिए रवाना होंगे। रामजन्मभूमि में उन्हें भूमि-पूजन करना है। यहां से हनुमानगढ़ी दर्शन करने भी जाएंगे। साकेत कॉलेज से रामजन्मभूमि और हनुमानगढ़ी जाने वाले मार्ग के दोनों तरफ सभी भवनों की दीवारों पर त्रेता युग की झलक दिखलाते हुए रामायण कालीन प्रसंगों की आकृतियों को उकेरा जा रहा है। कहीं भगवान राम, सीता, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्नन, हनुमान जी और ऐसे ही त्रेता युग से जुड़ी तस्वीरों को आकृति प्रदान की जा रही है। इसके लिए कलाकारों की फौज जुटी हुई है।

इतना ही नहीं अयोध्या के प्रमुख मार्ग जिससे प्रधानमंत्री का काफिला गुजरेगा उसके दोनों तरफ स्थित भवनों को भी पीले रंग से रंगा जा रहा है। एक ही रंग में सराबोर सभी मकान रामजन्मभूमि और हनुमानगढ़ी की ओर जाने वाले मार्ग की शोभा और बढ़ा रहे हैं। इस मार्ग के डिवाइडर की रंगाई-पुताई चल रही है। डिवाइडर पर स्थित बिजली के खंभों को भी पीले रंग से रंगा जा रहा है। प्रधानमंत्री के गुजरने वाले मार्ग के दोनों तरफ युद्ध स्तर पर सफाई अभियान चल रहा है। सूखे पेड़ हटाए जा रहे हैं, झाड़ी-झंखाड़ के साथ

उगी हुई बड़ी घास हटाई जा रही है।

उधर रामजन्मभूमि परिसर में भी मुख्य समारोह के लिए तैयारियां अंतिम दौर में हैं। भूमि पूजन स्थल पर अतिथियों के बैठने के साथ प्रधानमंत्री की मौजूदगी वाले स्थान पर सभी इंतजाम किए जा रहे हैं। राम की पैड़ी को भी संवारा जा रहा है। सरयू तट पर अलग ही रौनक देखने को मिलेगी। इसके लिए यहां भी अभियान के तौर पर साफ-सफाई का काम चल रहा है।

बिना आईडी प्रूफ दिखाए रामनगरी में प्रवेश पर पाबंदी

5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आगमन से एक सप्ताह पूर्व ही राम की नगरी अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था सख्त कर दी गई है। देश के विभिन्न स्थानों पर आतंकी हमले के खुफिया इनपुट के बाद यहां हाई अलर्ट घोषित कर दिया गया है। पुलिस महकमे के एडीजी स्तर के अधिकारियों ने यहां का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्था में इजाफा करने के निर्देश दिए हैं। गुरुवार को इसका असर दिखाई दिया। राम नगरी के मुख्य प्रवेश द्वार पर पुलिस ने आईडी प्रूफ देखने के बाद ही दाखिल होने की इजाजत दी। रामनगरी के मंदिरों के आसपास भी सुरक्षा घेरे में इजाफा कर दिया गया है। पुलिस के तमाम अधिकारी निरंतर भ्रमणशील हैं। खुफिया एजेंसियों को भी सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

इस राज्य के जेलों में खुलेंगे पेट्रोल पंप, कैदी होंगे कर्मचारी, वेतन भेजेंगे घर

तिरुवनंतपुरम। केरल में कैदियों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक बेहतर पहल की जा रही है. केरल में अब पेट्रोल पंप पर जेल के कैदी कैदी कर्मचारी की तरह काम कर सकेंगे और सैलरी अपने घर भेज सकेंगे। दरअसल, केरल सरकार ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के साथ मिलकर जेल परिसर से पेट्रोल पंपों को चालू किया है। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए जेल डीजीपी ऋषिराज सिंह ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर जेल के कैदियों को रोजगार देने की पहल की गई है, क्योंकि केरल में कई परियोजनाएं हैं, जिनमें कैदी भी एक हिस्सा हैं और उन्हें रोजगार दिया जा रहा है। उन्होने कहा कि हर एक पेट्रोल पंप पर 15 जेल कैदियों को रोजगार दिया जाएगा। तिरुवनंतपुरम, वियूर और चेमनी जेलों के आउटलेट आज (गुरुवार) से काम करने लगे हैं। कई लोग संदेह व्यक्त करते हैं कि क्या कैदी भागने की कोशिश करेंगे। मगर उनके साथ काम करने का मेरा अनुभव है कि वे ऐसा नहीं करेंगे। जेल के ये कैदी राज्य में पांच कैफेटेरिया को मैनेज कर रहे हैं और अपने द्वारा तैयार भोजन बेच रहे हैं। हम उन्हें उनके काम के लिए प्रति दिन 220 रुपये का भुगतान करते हैं और कोरोना काल में जेल के कैदी इसे सफलतापूर्वक चला रहे हैं। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन जेल परिसर में चार पेट्रोल पंप स्थापित करने के लिए लगभग 9.5 करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है। पेट्रोलियम आउटलेट स्थापित करने के लिए जेल की ओर से शेयर 30 लाख रुपये है। वर्तमान में तीनों के अलावा, इसे कन्नूर जेल में भी शुरू किया जाएगा। तिरुवनंतपुरम में लगभग 25 फीसदी, कन्नूर में 39 फीसदी, वियूर में 25 फीसदी और चेमनी ओपन जेल में 25 फीसदी आवंटित किए गए हैं। इसके जरिए सरकार को हर महीने 5.9 लाख रुपये किराए में मिलेंगे। भविष्य में सीएनजी और विद्युत चार्जिंग स्टेशन स्थापित करके परियोजना का विस्तार करने की भी योजना है।

झूठ बोल रहा ड्रैगन, विदेश मंत्रालय ने किया साफ, पूरी तरह नहीं हुई चीनी सैनिकों की वापसी

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में स्थित वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन पूरी तरह से चालबाजी में उतर आया है। एक तरफ तो उसने अपने सैनिकों को वापस नहीं बुलाया है लेकिन दूसरी तरफ यह दावा कर रहा है कि अधिकांश जगहों से सैनिकों की वापसी हो गई है। चीन का यह भी दावा है कि एलएसी पर अब हालात सामान्य हो रहे हैं। भारत ने गुरुवार को चीन का दोहरा चरित्र उजागर करते हुए बताया कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर सभी इलाकों से चीनी सैनिकों के वापसी की प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हो पाई है। भारत ने चीन से इस मामले में गंभीरता से प्रयास करने को भी कहा है।

सैनिकों की वापसी सुनिश्चित करे चीन-विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा, 'पूर्वी लद्दाख में सैनिकों की वापसी को लेकर कुछ प्रगति हुई है लेकिन वापसी प्रक्रिया अभी पूरी नहीं हुई है। दोनों पक्षों के वरिष्ठ सैन्य

वैसे दोनों देशों के बीच आगे का रास्ता निकालने के लिए अगले दौर की सैन्य वार्ता की तैयारी चल रही है। संकेत इस बात के हैं कि इस बार चीनी अतिक्रमण का मामला लंबा चलेगा।

कमांडरों के बीच शीघ्र ही मुलाकात होनी है ताकि आगे का रास्ता निकाला जा सके। हम पहले ही यह कह चुके हैं कि सीमा पर अमन शांति ही द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत बनाने की सबसे अहम शर्त है। हमें उम्मीद है कि चीनी पक्ष गंभीरता से काम करेगा और पूर्व में विशेष प्रतिनिधियों के बीच बनी सहमति के मुताबिक पूरी तरह से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित करेगा।'

झूठ बोल रहा चीन

असल में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि हाल ही में भारत और चीन के बीच सैन्य व कूटनीतिक स्तर पर कई चरणों में विमर्श हुआ है। इसके तहत कमांडर स्तर पर चार चरणों की, सीमा विवाद सुलझाने पर स्थापित विशेष व्यवस्था के तहत तीन चरणों और दूसरी व्यवस्थाओं के तहत भी बैठकें हुई हैं। ज्यादातर स्थानों से दोनो पक्षों की सेनाएं फ्रंट लाइन से वापस हो चुकी हैं। हालात तेजी से सामान्य हो रहे हैं। अभी भारत और चीन पांचवीं कमांडर स्तर की बातचीत की तैयारी में हैं। हमें उम्मीद है कि दोनों पक्षों की तरफ से शांति स्थापित करने के लिए कदम उठाए जाएंगे।

मामले को लंबा खींचने में जुटा ड्रैगन

दोनों पक्षों के बयान को देखें तो साफ हो जाता है कि चीन पूरे मामले को बहुत तवज्जो नहीं दे रहा है। जानकार मान रहे हैं कि चीन सुनियोजित तरीके से पूरे मामले को लंबा खींचने में जुटा हुआ है। यही वजह है कि वह दिखाना चाहता है कि हालात नियंत्रण में हैं। वैसे दोनों देशों के बीच आगे का रास्ता निकालने के लिए अगले दौर की सैन्य वार्ता की तैयारी चल रही है। संकेत इस बात के हैं कि इस बार चीनी अतिक्रमण का मामला लंबा चलेगा।

भारतीय सेनाएं भी सतर्क

भारतीय सेनाएं चीन की इस रणनीति से बखूबी वाकिफ हैं। सेनाओं ने लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर चीन की किसी भी हिमाकत का मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी कर ली है। पूर्वी लद्दाख में सैन्य तनातनी के लंबा खींचने के संकेतों को देखते हुए सेना सीमा पर 35 हजार अतिरिक्त जवानों की तैनाती करने जा रही है। वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी सामने आई है।

नया एलएसी निर्धारित करने में जुटा चीन

जानकारों का कहना है कि चीन की तरफ से पैंगोंग लेक, गोगरा, हॉट स्प्रिंग, गलवन वैली और देसपांग में नया एलएसी निर्धारित करने की कोशिश हो रही है। यही वजह है कि 4 मई, 2020 को उसने जितना अतिक्रमण किया है उससे थोड़ा पीछे हट गया है लेकिन वास्तविक तौर पर वह अभी भी एलएसी के काफी भीतर है। अगर वह इसी स्थिति पर रहता है तो पिछले साढ़े चार दशकों से जो हिस्सा एलएसी का माना जा रहा था वह अब बदल जाएगा। भारतीय सैन्य दल जितनी दूर तक सैन्य पैट्रोलिंग कर रहे थे वह दायरा भी काफी सिमट जाएगा। यही वजह है कि भारत की तरफ से मई, 2020 से पहले वाली स्थिति कायम करने पर बात हो रही है।

ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन ने बंदरों पर किया कमाल, वायरस को जानलेवा बनने से रोका

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का कहर पूरी दुनिया में जारी है और इसके वैक्सीन के लिए हर जगह कवायद तेज है। इस बीच अच्छी खबर यह है कि ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन ने उम्मीद की किरण दिखाई है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के टीके का बंदरों पर परीक्षण सफल रहा है। टीका लगने के बाद बंदरों में प्रतिरोधी क्षमता पैदा हुई और उनमें वायरस का प्रभाव भी कम हुआ। मेडिकल जर्नल नेचर में प्रकाशित अध्ययन में यह जानकारी दी गई। अमेरिका के राष्ट्रीय एलर्जी एवं संक्रामक रोग संस्थान के शोधकर्ताओं और ऑक्सफोर्ड ने पाया कि वैक्सीन यानी कि टीका बंदरों को कोविड-19 से होने वाले घातक निमोनिया से बचाने में सफल रहा।

दुनिया की पहली कोरोना वैक्सीन को 10 अगस्त तक मिल सकती है मंजूरी

दरअसल, कोरोना के संक्रमण के बाद फेफड़ों में सूजन आ जाती है और उन्हें एक प्रकार का द्रव्य भर जाता है। इसी सफलता के बाद ऑक्सफोर्ड ने इंसानों पर परीक्षण शुरू किए थे, जिसके भी प्रारंभिक नतीजे सफल रहे हैं। ऑक्सफोर्ड की वैक्सीन चैडॉक्स एनकॉव 19 चिंपैजी में मिलने वाले एक कमजोर वायरस से बनाई गई है, इस वायरस से सामान्य सर्दी-जुकाम होता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि छह बंदरों को कोरोना के संक्रमण की जद में लाए जाने के 28 दिन पहले यह टीका दिया गया था। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने से बचाया और वायरस की मात्रा को कम किया। बाद में इन बंदरों

को बूस्टर डोज भी दिया, जिससे प्रतिरोधी क्षमता और बढ़ी।

शोधकर्ताओं ने कहा कि अध्ययन यह संकेत देता है कि यह टीका भले ही संक्रमण या उसके प्रसार को न रोक पाए, लेकिन यह बीमारी को जानलेवा नहीं बनने देगा। इस परीक्षण के बाद ऑक्सफोर्ड ने जुलाई में इंसानों पर परीक्षण के लिए आठ हजार वालंटियर की भर्ती की थी।

कब खत्म होगा कोरोना कहर

16 लाख के पार कोविड-19 केस, मौतों के मामले में 5वें नंबर पर पहुंचा भारत

नई दिल्ली। भारत में कोरोना वारयस तेजी से पांव पसार रहा है। कोरोना का कहर भारत में इतना फैल रहा है कि दुनिया के कई देशों से हम आगे निकल मौत के मुंह की तरफ जा रहे हैं। देश में अब हर दिन करीब 45 से 50 हजार के बीच मामले आ रहे हैं, जिससे देश में कोरोना वायरस के मामले 16 लाख के पार हो गए हैं और अब तक इस वायरस से 35 हजार से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं। मौत का आंकड़ा इतना अधिक हो गया है कि भारत इटली को पीछे छोड़ पांचवें नंबर पर पहुंच गया है। वर्ल्डओमीटर के आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना वायरस संक्रमण की वजह से मौतों के मामले में भारत अब इटली से आगे निकल चुका है और पूरी दुनिया में 5वें नंबर पर पहुंच गया है। भारत में कोरोना वायरस से अबतक 35,786 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत से आगे अब बस चार देश ही बचे हैं, जिनमें अमेरिका, ब्राजील, ब्रिटेन और मैक्सिको है। अमेरिका में कोरोना वायरस से जहां 155067 मौतें हुई हैं, वहीं ब्रिटेन में 45999, ब्राजील में 91377 और मैक्सिको में 45361 लोगों की मौत हुई है।

भारत में नहीं थम रहा कोरोना वायरस का कहर, सिर्फ जुलाई में आए 10 लाख से अधिक पॉजिटिव केस

इसके अलावा, अगर कोरोना वायरस के मरीजों की बात करें तो भारत में अभी कोरोना वायरस के मामले 1,639,350 हो चुके हैं। अच्छी बात यह है कि कोरोना के कुल 1,639,350 मामलों में 1,059,093 लोग रिकवर हो चुके हैं और फिलहाल देश में 544,471 एक्टिव केस हैं। कोरोना वायरस के मामलों में भारत अमेरिका और ब्राजील के बाद तीसरे नंबर पर है।

कोरोना ने तोड़े अब तक के सारे रिकॉर्ड, 24 घंटे में सामने आए 52 हजार से अधिक पॉजिटिव केस

कोरोना वायरस के मामलों की बात करें तो गुरुवार को बीते 24 घंटे में भारत में कोरोना के 53,123 नए पॉजिटिव केस सामने आए। वहीं इस वैश्विक महामारी से कल 775 मरीजों की मौत हो गई। वहीं, केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के आंकड़ों का अध्ययन से यह बात सामने निकलकर आई है कि सिर्फ जुलाई में दस लाख से अधिक पॉजिटिव केस भारत में सामने आए हैं। 30 जून तक यानी शुरुआती चार महीनों की बात करें तो देश में कोरोना के कुल 5.68 लाख केस थे। वहीं, आज इसकी संख्या बढ़कर 16 लाख पार हो गई है। हालांकि राहत की बात यह है कि भारत में रिकवरी और डेथ रेट अन्य बड़े देशों की तुलना में काफी बेहतर है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सुधार की ओर

समय के अनुरूप शिक्षा नीति का बदलना जितना स्वाभाविक है, उतना ही आवश्यक भी। 34 साल बाद नई शिक्षा नीति का आना लगभग तय था, इसकी चर्चा तो दशक भर से चल रही थी, लेकिन समय के अनुरूप सबकी मंजूरी के साथ एक नीति तय करना आसान नहीं होता। अब जो नीतिगत बदलाव हो रहे हैं, उनका सबसे बड़ा पहलू यह है कि इससे शिक्षा की गुणवत्ता और उपयोगिता, दोनों को ही बल मिलेगा। स्कूली स्तर पर ही छात्रों को किसी न किसी कार्य कौशल से जोड़ दिया जाएगा। इसका अर्थ है, जब बच्चा स्कूल से पढ़कर निकलेगा, तो उसके पास एक ऐसा हुनर होगा, जिसका वह आगे की जिंदगी में इस्तेमाल कर सकेगा। इससे शिक्षा को एक व्यावसायिक बल भी मिलेगा। ऐसे करोड़ों मां-बाप होंगे, जो खुश होंगे कि उनका बच्चा स्कूल में न केवल पढ़ेगा, बल्कि कोई काम भी सीखेगा। नई शिक्षा नीति को अंतिम रूप देने के लिए बनाई गई समिति का नेतृत्व कर रहे डॉ कस्तूरीरंगन ने सही कहा है कि नई शिक्षा नीति बेरोजगार तैयार नहीं करेगी। दूसरी बड़ी पहल यह हुई कि स्कूल शिक्षा को विभिन्न चरणों में बांट दिया गया है। यहां सर्वाधिक फायदा फाउंडेशन स्टेज पर होगा। भारत में उन बच्चों की एक बड़ी संख्या रही है, जो सीधे पहली कक्षा में दाखिला लेते रहे हैं। सरकारी विद्यालयों में नर्सरी या प्री-स्कूल या स्कूल पूर्व शिक्षा की जरूरत को नहीं माना जा रहा था। निजी क्षेत्र में प्री-स्कूल शिक्षा का विगत तीन दशकों में बहुत विकास हुआ है, जिससे सरकारी स्कूलों का आकर्षण भी घटा है। ज्यादातर निजी स्कूल सीधे पहली कक्षा में किसी बच्चे को प्रवेश नहीं देते हैं, लेकिन अब देश के सभी स्कूलों को प्री स्कूल शिक्षा का आदर करना पड़ेगा। यह बच्चों के ज्ञान-स्तर व पढ़ाई की एकरूपता के लिए जरूरी है। यह एक प्रमाण है कि शिक्षा में निजी क्षेत्र किस तरह से सरकारी शिक्षा को प्रभावित और संवर्द्धित करता है। प्री-स्कूल के लिए आंगनबाड़ी व्यवस्था का उपयोग यथोचित है। यह समय बुनियादी पढ़ाई में एकरूपता लाने की दिशा में कारगर हो सकता है। अब प्री-स्कूल के तीन वर्ष और सामान्य स्कूल के शुरुआती दो वर्ष अर्थात कुल पांच वर्ष के लिए नया पाठ्यक्रम बनाया जाएगा। यहां सरकार को तय करना होगा कि देश के सभी स्कूलों में यह पांच वर्षीय पाठ्यक्रम लागू हो जाए, ताकि बच्चों का समतापूर्ण शैक्षणिक विकास हो। नई शिक्षा नीति को यदि किसी ऊंचे मुकाम पर ले जाना है, तो बुनियादी अर्थात फाउंडेशन स्टेज पर ही शिक्षा की गुणवत्ता के लिए प्रयास करने पड़ेंगे। 10+2 और एफफिल की विदाई हो गई है। मोटे तौर पर एक्टिविटी आधारित शिक्षण पर ध्यान रहेगा। प्रयोगों के जरिए बच्चों को विज्ञान, गणित, कला आदि की पढ़ाई कराई जाएगी। कक्षा छह से पढ़ाई विषय आधारित होने लगेगी और कक्षा छह से ही कौशल विकास कोर्स भी शुरू हो जाएंगे। कक्षा नौ से 12 की पढ़ाई दो चरण में होगी, जिनमें विषयों का गहन अध्ययन कराया जाएगा। विषय चुनने की आजादी भी होगी। परीक्षा और प्रदर्शन का आकलन भी बदलने वाला है, इस मोर्चे पर केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय और राज्यों के शिक्षा मंत्रालयों को ज्यादा सावधानी से काम करना होगा। बोर्ड की परीक्षा का तनाव घटे, लेकिन पढ़ाई की गुणवत्ता नहीं घटनी चाहिए। नई नीति को साकार करने के लिए शिक्षकों और शिक्षा प्रबंधन की गुणवत्ता भी सुधारनी पड़ेगी।

आज के ट्वीट

मंहगा वकील

सुशांत राजपूत केस में रिया चक्रवर्ती ने हायर किया देश का सबसे मंहगा वकील! सतीशमाने शिंदे लड़ चुके हैं सलमान खान और संजय दत्त का केस! जो अभिनेत्री हाल ही में फ़िल्म इंडस्ट्री में आई हो और स्ट्रगल कर रही है। वो इतना महंगा वक़ील कैसे और क्यों हायर कर रही है। यानी दाल पूरी काली है!

--अर्णव गोस्वामी

कांग्रेसी संकट में अवसर तलाशती भाजपा

राजकुमार सिंह

आखिरकार राज्यपाल कलराज मिश्र राजस्थान विधानसभा का सत्र आहूत करने को मान गये। विधानसभा अध्यक्ष सी.पी. जोशी ने 14 अगस्त को सत्र आहूत करने की अधिसूचना भी जारी कर दी है। उम्मीद की जानी चाहिए कि प्रस्तावित विधानसभा सत्र में राजस्थान के राजनीतिक गतिरोध की तार्किक परिणति भी हो जायेगी। जैसा कि 1994 में एस.आर. बोम्मई केस में सर्वोच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला भी है, किसी भी सरकार के बहुमत का परीक्षण सदन में ही हो सकता है। बेशक राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कई दिन से विधानसभा सत्र आहूत करने के लिए राज्यपाल को सरकार की ओर से प्रस्ताव भेज रहे थे, लेकिन एजेंडा में विश्वासमत परीक्षण लिखने से बच रहे थे। उधर, राज्यपाल किंतु-परंतु के सहारे विधानसभा सत्र आहूत करने की मांग को टाल रहे थे। दोनों ही तरफ अपने-अपने ज्ञात-गुप्त कारण थे, लेकिन अब जबकि 14 अगस्त को विधानसभा सत्र का मार्ग प्रशस्त हो गया है, राजस्थान का राजनीतिक नाटक शायद ज्यादा लंबा नहीं चल पायेगा। इस सत्र में इस स्वाभाविक सवाल का जवाब मिल जायेगा कि जादूगर कहे जाने वाले पुराने खिलाड़ी अशोक गहलोत को अब भी विधानसभा में बहुमत हासिल है या फिर महत्वाकांक्षी बागी युवा सचिन पायलट ने बाजी पलटने का इंतजाम पूरा कर लिया है। बेशक इस पूरे खेल में एक खिलाड़ी बसपा भी बनने की कोशिश कर रही है, जिसके छह विधायकों को अशोक गहलोत ने अपनी राह निष्कंटक बनाने के लिए कांग्रेस में शामिल करा लिया था। अब जबकि पायलट की बगावत से गहलोत सरकार पर संकट के बादल घिरे हैं, तो बसपा सुप्रीमो मायावती भी राजस्थान में हुए उस दलबदल पर अचानक सक्रिय होकर न्यायपालिका पहुंच गयी हैं। दलबदल और बगावत के दांवपेंच विधानसभा अध्यक्ष से लेकर न्यायपालिका तक कितने लंबे चलेंगे, और उनकी अंतिम परिणति क्या होगी— वर्तमान परिस्थितियों में कह पाना आसान नहीं, लेकिन इस खेल में प्रत्यक्ष खिलाड़ियों के अलावा सूत्रधारों की भूमिका भी साफ महसूस की जा सकती है। हमारी राजनीति नीति और नैतिकता से हटकर नाटकीयता की ओर बढ़ रही है, इसलिए उसमें सूत्रधारों की भूमिका महत्वपूर्ण होते जाना भी स्वाभाविक ही है, पर क्या यह समाज, देश और लोकतंत्र के हित में भी है? माना कि लोकतंत्र भी एक शासन प्रणाली ही है, जिसमें चुनाव के जरिये सत्ता सिंहासन की हार-जीत का फैसला होता है, लेकिन चुनाव से इतर भी हार को जीत और जीत को हार में बदलने के लिए जो खेल अब खेले जाने लगे हैं, उनसे तो दरअसल लोकतंत्र के ही सत्ता के खेल में तब्दील हो जाने का खतरा मंडरा रहा है। लोकतंत्र में मतदाता को प्राथमिक इकाई माना गया है। मतदाता को ही यह अधिकार भी दिया गया है कि तमाम राजनीतिक दलों-उम्मीदवारों के चुनाव घोषणापत्रों, वादों और आचरण के आधार पर मतदान के जरिये वह सत्तापक्ष और विपक्ष की भूमिका के लिए जनादेश दे। चुनाव परिणाम के बाद जनादेश के सम्मान की बात भी सभी दल-नेता कहते हैं, लेकिन कई बार उनका आचरण उनके कथन के एकदम उलट नजर आता है। वर्ष 2018 में हुए छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों में मतदाताओं ने भाजपा से छीन कर सत्ता कांग्रेस को सौंपी थी। जाहिर है, लंबे सत्ता सुख के बाद भाजपा को वापस विपक्ष की भूमिका मिली थी। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिला था, तो राजस्थान में कामचलाऊ, जबकि मध्य प्रदेश में सावधानी हटी, दुर्घटना घटी वाली स्थिति थी। इसी बीच 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में इन तीनों राज्यों के मतदाताओं ने कांग्रेस से किनारा करते हुए नरेंद्र मोदी के नाम पर भाजपा के पक्ष में जबर्दस्त जनादेश दिया। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत का श्रेय लेने वाले ज्योतिरादित्य सिंधिया खुद लोकसभा चुनाव हार गये। हारे भी अपने ही एक पूर्व समर्थक से, जो बगावत कर भाजपाई हो गया। सिंधिया राज परिवार से आते हैं। बिना सांसद बने भी उनका रुतबा कुछ कम नहीं रहता, लेकिन उन्होंने इच्छा जतायी कि कांग्रेस वर्ष 2020 में होने वाले राज्यसभा चुनाव में उन्हें प्रत्याशी बनाये। इसमें भी समस्या नहीं होती, पर सिंधिया की राह रोकने के लिए मुख्यमंत्री कमलनाथ और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एकजुट हो गये। दिग्विजय खुद तो राज्यसभा में पुन- आना चाहते ही थे, दूसरी सीट के लिए उन्होंने प्रियंका गांधी का नाम चला दिया। यहां तक यह कांग्रेस का आंतरिक संकट ही था, लेकिन भाजपा उसे अपने लिए सत्ता के अवसर में बदलने में जुट गयी। अंतत- जो हुआ, सबके सामने है। प्रदेश-देश कोरोना संकट से जूझ रहा है, पर इसी बीच सिंधिया की बगावत को हर संभव हवा देकर भाजपा ने कांग्रेस को सत्ता से बेदखल कर शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में अपनी सरकार की ताजपोशी करा दी। मंत्रिमंडल में सिंधिया समर्थकों का दबदबा खुद पुराने भाजपाइयों को हजम नहीं हो पा रहा, पर सत्ता के खेल में सब चलता है। मध्य प्रदेश प्रकरण के समय ही यह अटकलें लगायी जाने लगी थीं कि अगली बारी राजस्थान की है। कांग्रेस ने सचिन पायलट की अध्यक्षता में विधानसभा चुनाव लड़ा और जीता था, लेकिन अंतिम क्षणों में मुख्यमंत्री बन गये अशोक गहलोत। पायलट को उपमुख्यमंत्री पद पर संतोष करना पड़ा, पर दोनों के बीच रार जारी रही। सिंधिया के झटके के बाद पायलट ने भी मुख्यमंत्री बनने के लिए दबाव बढ़ाया तो गहलोत को उनमें अपने बेटे वैभव की राह का रोड़ा नजर आया। कांग्रेस आलाकमान एक बार फिर अपने आंतरिक संकट को सुलझाने में नाकाम दिखा तो भाजपा फिर उसे अपने लिए अवसर में बदलने में जुट गयी। जयपुर से गुरुग्राम-मानेसर तक जो बिसात बिछी, वह दरअसल इसी सत्ता के खेल की है। राजस्थान में सत्ता के इस खेल की जो भी अंतिम परिणति हो, पर वह आखिरी खेल तो नहीं होगा। इसलिए भी कि यह खेल नया नहीं है। राजभवनों के अघोषित राजनीतिकरण के बाद केंद्र में सत्तारूढ़ दल विरोधी दलों की राज्य सरकारों को येन-केन-प्रकारेण गिराने के खेल में सिद्धहस्त हो गये हैं। वैसे इस खेल की शुरुआत भी कांग्रेस ने ही की थी, वह भी बहुत पहले 1959 में। उसके बाद जोड़तोड़, दलबदल और राजभवनों का दुरुपयोग कर गैर-कांग्रेसी राज्य सरकारें गिराने और अपनी या कठपुतली सरकार बनाने के उदाहरणों की फेहरिस्त बहुत लंबी है। इसलिए आज जब कांग्रेसी किसी राज्यपाल पर भाजपाई कार्यकर्ता की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाते हैं तो आश्चर्यमिश्रित वितृष्णा ज्यादा होती है। तब देश पर कमोबेश एकछत्र राज के दंभ में कांग्रेस ने संवैधानिक-लोकतांत्रिक संस्थाओं से जैसा खिलवाड़ किया, उसी का खमियाजा उसे अब अपने दुर्दिनों में भुगतना पड़ रहा है, पर भाजपा को तो उन गलतियों की पुनरावृत्ति करने के बजाय कांग्रेस के हश्र से सबक सीखना चाहिए। बेशक 1984 की दो लोकसभा सीटों से 2019 में 303 सीटों तक पहुंच जाने में भाजपा की सकारात्मक भूमिका भी रही होगी, पर उसमें कांग्रेस की कारगुजारियों का योगदान कम नहीं । इसके बावजूद भाजपा राज्य-दर-राज्य न सिर्फ लोकतंत्र को सत्ता का खेल बना रही है, बल्कि कांग्रेस मुक्त भारत के नारे के बीच कांग्रेसियों को भी अपना मोहरा बना रही है, वह नीति-नैतिकता नहीं, विशुद्ध अवसरवादी आचरण है। स्वाभाविक ही इस खेल से भाजपाशासित राज्यों की संख्या फिर बढ़ जायेगी और कांग्रेसशासित राज्यों की संख्या सिमट जायेगी, लेकिन लगातार दो लोकसभा चुनावों में मिले अप्रत्याशित जनादेश से फर्श से अर्श पर पहुंची भाजपा की छवि पर जो दाग लगेंगे, उन्हें मिटा पाना संभव नहीं होगा। कांग्रेस जैसा ही आचरण कर भाजपा उसका बेहतर विकल्प बनने का दम नहीं भर सकती।

ज्ञान गंगा

नैतिकता

श्रीराम शर्मा आचार्य

प्रकृति की मर्यादाओं-नियत नियमों की अनुकूल दिशा में चलकर ही सुखी, शांत और सम्पन्न रहा जा सकता है। इसी को नैतिकता भी कहा जा सकता है। जिस प्रकार प्रकृति की व्यवस्था में प्राणियों से लेकर ग्रह-नक्षत्रों का अस्तित्व, जीवन और गति-प्रगति सुरक्षित है। उसी प्रकार मनुष्य जो करोड़ों, अरबों की संख्या वाले मानव समाज का एक सदस्य है, नैतिक नियमों का पालन कर सुखी व सम्पन्न रह सकता है तथा समाज में भी वैसी परिस्थितियां उत्पन्न करने में सहायक हो सकता है। नैतिकता इसीलिए आवश्यक है कि अपने हितों को साधते हुए उन्हें सुरक्षित रखते हुए दूसरों को भी आगे बढ़ने दिया जाय। एक व्यक्ति बेइमानी करता है और उसके देखा-देखी दूसरे व्यक्ति बेइमानी करने लगे तो किसी के लिए भी सुविधापूर्वक जी पाना असंभव हो जाएगा। इसी कारण ईमानदारी को नैतिकता के अन्तर्गत रखा गया है कि व्यक्ति उसे अपनाकर अपनी प्रामाणिकता, दूरगामी हित, तात्कालिक लाभ और आत्मसंतोष प्राप्त करता रहे तथा दूसरों के जीवन में भी कोई व्यतिक्रम उत्पन्न न करे। नैतिकता का अर्थ सार्वभौम नियम भी किया जा सकता है। सार्वभौम नियम अर्थात् वे नियम जिनका सभी पालन कर सकें और किसी को कोई हानि न हो, प्रत्युत लाभ ही मिलें। जैसे दूसरों से अच्छाइयां ग्रहण करना। अच्छाइयों से अच्छाइयां बढ़ती हैं, ग्रहणकर्त्ता में कौशल और सुगढ़ता ही आती है और इससे सब प्रकार लाभ ही होता है। किन्तु दूसरों के अधिकार या उनके अधिकार की वस्तुएं छीनने का क्रम चल पड़े, तो भारी अव्यवस्था उत्पन्न हो जाएगी, कोई भी सुखी नहीं रह सकेगा। फिर तो जानवरों की तरह ताकतवर कमजोर को दबा देगा और उसकी वस्तुएं छीन लेगा और ताकतवर को उससे अधिक ताकतवर व्यक्ति दबा देगा। इसी कारण समाज में नैतिक मर्यादाएं निर्धारित हुई है। धर्म कर्त्तव्यों, मर्यादाओं एवं नैतिक आचरण की एक कसौटी यह भी है कि किसी कार्य को करते समय अपनी अन्तरात्मा की साक्षी ले ली जाय। यकायक किसी में अनैतिक आचरण का दुस्साहस पैदा नहीं होता। जब भी कोई व्यक्ति किसी बुरे काम में प्रवृत्त होता है, तो उसका हृदय धक्-धक् करने लगता है। जब कभी ऐसा लगे तो सावधान हो जाना चाहिए और उस काम से पीछे हट जाना चाहिए।

आज का राशिफल

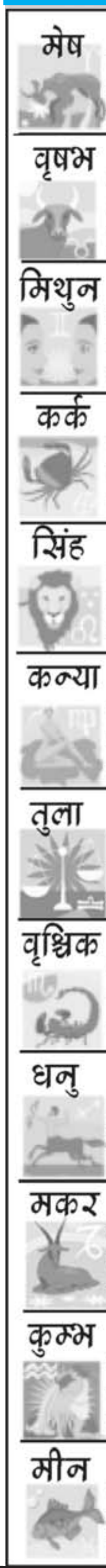

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

हरकीरत की कीर्ति से मुग्ध देश

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

देश जब दुनिया के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान राफेल के भारत आगमन की प्रतीक्षा कर रहा था तो राफेल स्काड्रन के पहले कमांडिंग ऑफिसर हरकीरत सिंह ने भी खूब सुर्खियां बटोरीं। उनकी साहस-सूझबूझ और लड़ाकू विमान उड़ाने के उनके कौशल ने देश को आश्वस्त किया कि बहुमूल्य राफेल स्काड्रन की कमान भरोसेमंद हाथों में सुरक्षित है। फ्रांस से उड़ाकर लाया गया पहला राफेल जब अम्बाला एयरबेस पर उतरा तो उसे हरकीरत ही उड़ा रहे थे। भारतीय वायुसेना ने जब अपने सबसे एडवांस फाइटर जेट राफेल की पहली स्काड्रन की जिम्मेदारी देने पर विचार किया तो पहला नाम हरकीरत सिंह का था। कहा भी गया कि उनका इसके लिए चयन नहीं किया बल्कि उन्होंने यह अधिकार खुद अपनी योग्यता से हासिल किया। अपने अदम्य साहस से बेहद जटिल परिस्थितियों में एक मिग को सुरक्षित उतारने वाले हरकीरत सिंह ने अपनी जान की परवाह न करते हुए एक बहुमूल्य विमान को बचाने को प्राथमिकता दी। सैन्य पृष्ठभूमि के संस्कारों में पले-बढ़े हरकीरत सिंह के पिता निर्मल सिंह भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल थे। बुधवार को अम्बाला का एयरफोर्स स्टेशन अपने पायलटों के लिए पलक-पावड़े बिछाये हुए था। खासकर उस शख्स के लिए जिसके नेतृत्व में राफेल की लैंडिंग होनी थी। जब राफेल जहाज का पहला दस्ता अम्बाला पहुंच रहा था तो लंबे समय बाद फ्रांस से लौट रहे पायलटों के परिजनों को भी आमंत्रित किया गया था। मगर, हरकीरत सिंह की पत्नी वहां परिजन के रूप में नहीं, बल्कि विंग कमांडर के दायित्वों को निभाने के लिए मौजूद थी। वह उस समय ग्राउंड ड्यूटी पर तैनात थी। निश्चय ही एक परिवार के लिए यह गौरवशाली क्षण था। राष्ट्र की सेवा में पति-पत्नी के रूप में मौजूदगी का। दरअसल, इस समय हरकीरत सिंह 17 गोल्डन एरो स्काड्रन के कमांडिंग आफिसर हैं। इसी स्काड्रन ने कारगिल युद्ध में निर्णायक भूमिका निभायी थी। बीते साल अक्तूबर में फ्रांस में पहला राफेल भारत को सौंपा गया था तो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ वहां हरकीरत सिंह मौजूद थे। तब भी मीडिया में उनकी खूब चर्चा हुई थी। दरअसल, हरकीरत सिंह बारह साल पहले उस समय चर्चा में आये थे जब उन्होंने बेहद खतरनाक परिस्थितियों में मिग दुर्घटना को टाला था, जिसकी मिसाल पूरी वायुसेना में एक नायक के तौर पर दी जाती है। इसके लिए उन्हें शौर्य चक्र से सम्मानित किया गया था। यह 23 सितंबर, 2008 की घटना है जब दो मिग-21 बाइसन विमानों ने अभ्यास अवरोध उड़ान भरी थी। जब यह घटनाक्रम घटा तब हरकीरत सिंह स्काड्रन लीडर थे। उनका विमान जमीन से कोई चार किलोमीटर की ऊंचाई पर था तो उन्होंने इंजन में तीन धमाके सुने, जिसके बाद मिग के इंजन में आग लग गई। उसके बाद जहाज की स्पीड बेहद कम हो गई और जहाज नीचे आने लगा। कॉकपिट की लाइट्स ऑफ हो गई थी और आपातकाल में बैटरी से चलने वाली लाइट ही उन्हें मिल पा रही थी। रेगिस्तान के ऊपर इतनी कम लाइट्स में मिग-21 को उड़ाना बेहद खतरनाक था। कॉकपिट की कम लाइट में उपकरणों को देख पाना भी कठिन था। इस आपातकाल में उन्हें संवेदनशील जेट को भी बचाना था और अपनी जान को भी। मानवीय क्षति टालने के लिए जहाज को आबादी से दूर भी लेकर जाना था। इस मुश्किल वक्त में तुरंत साहसी फैसला लेकर उन्होंने एक अनुकरणीय मिसाल पेश की। उन्होंने बेहद शांत दिमाग से प्रतिक्रिया देते हुए जहाज की दिशा बदल दी, जिससे उसका इंजन बंद नहीं हुआ। साथ ही रिकवरी के लिए आवश्यक कदम तुरंत उठाये। वे कामयाबी की तरफ बढ़ चुके थे। उनके कॉकपिट में रोशनी लौट चुकी थी। कालांतर हरकीरत ने ग्राउंड कंट्रोल इंटरसेप्ट कंट्रोलर की मदद से नेविगेशन सिस्टम का उपयोग किया। फिर अव्वल दर्जे का साहस और कौशल दर्शाकर अंधेरी रात में मिग-21 की लैंडिंग करायी। यदि जरा-सी चूक होती तो बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। उनको दिये शौर्य चक्र के प्रशस्ति-पत्र में लिखा गया कि उनकी त्वरित और समयानुकूल कार्रवाई से पहली श्रेणी की दुर्घटना टली और मूल्यवान विमान की रक्षा हो सकी। लेकिन उन्होंने अपनी जान की परवाह नहीं की। वे चाहते तो सुरक्षित कूद सकते थे, लेकिन उन्होंने मिग को सुरक्षित लैंड करवाया। उनके इस योगदान की वायुसेना में मिसाल दी जाती है। इसी भरोसे पर ग्रुप कैप्टन हरकीरत सिंह को उस अत्याधुनिक फाइटर राफेल स्काड्रन की कमान सौंपी गई है। भारत-चीन सीमा पर जारी तनाव के बीच 17 गोल्डन एरो स्काड्रन की महत्वपूर्ण भूमिका होने जा रही है, जिसमें कालांतर 18 राफेल फाइटर शामिल होंगे तथा उनके लिए करीब तीस पायलट तैनात होंगे। साथ ही 150 से 200 ग्राउंड स्टाफ की नियुक्ति राफेल स्काड्रन की देखभाल के लिए होगी। देश इस स्काड्रन के नेतृत्व में खुद को सुरक्षित महसूस कर सकता है।

क्रांति समय
शनिवार, 01 अगस्त 2020

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 twitter www.twitter.com/krantisamay1

सेबी ने डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के प्रयोग की समयसीमा को 31 दिसंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के लिए डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र का प्रयोग करने की सुविधा शुक्रवार को 31 दिसंबर तक बढ़ा दी। कंपनियां शेयर बाजार को सार्वजनिक सूचनाएं जमा करने के लिए इसका उपयोग करती हैं। इससे पहले 30 जून तक ही इस सुविधा के उपयोग की अनुमति थी। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई) की ओर से कोविड-19 संकट के चलते एहतियात के तौर पर डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के प्रयोग की अवधि को बढ़ाने की मांग पर सेबी ने यह फैसला किया है। महामारी की वजह से कंपनी सचिवों को व्यक्तिगत तौर पर जाकर दस्तावेजों के प्रमाणन और मान्य कराने में परिचालन संबंधी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सेबी ने अपने परिपत्र में कहा कि सूचीबद्धता और सूचनाओं को सार्वजनिक करने से जुड़े नियम (एलओडीआर) के तहत शेयर बाजारों को सौंपी जाने वाली सूचनाओं पर 31 दिसंबर तक डिजिटल हस्ताक्षर करना संभव होगा।यह नयी समय सीमा एक जुलाई 2020 से मान्य है।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 5,321 करोड़ रुपये के जीएमआर कमलंगा एनर्जी अधिग्रहण सौदे को रद्द किया

नयी दिल्ली. सज्जन जिंदल की कंपनी जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शुक्रवार को बताया कि उसने कोविड-19 महामारी से संबंधित अनिश्चितताओं के चलते 5,321 करोड़ रुपये के जीएमआर कमलंगा एनर्जी अधिग्रहण सौदे को रद्द कर दिया है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि 'लॉन्ग स्टॉप डेट' यानी समझौते को अमलीजाना पहनाने के बाद काफी समय बीत जाने के बाद दोनों पक्षों ने कोविड-19 महामारी के कारण जारी अनिश्चितता को देखते हुए सौदे को खत्म करने पर सहमति जताई है।इससे पहले कोविड-19 महामारी के कारण मई में जीएमआर कमलंगा एनर्जी लिमिटेड में जीएमआर एनर्जी की पूरी हिस्सेदारी जेएसडब्ल्यू एनर्जी को बेचने की प्रक्रिया को टाल दिया गया था। जीएमआर एनर्जी की कमलंगा एनर्जी लिमिटेड में 100 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने फरवरी में एक समझौता किया था। जीएमआर कमलंगा एनर्जी ओडिशा के ढेंकनाल में 1,050 मेगावाट क्षमता के ताप बिजली संयंत्र की मालिक और परिचालक है। यह सौदा 5,321 करोड़ रुपये में हुआ था, जो कार्यशील पूंजी और अन्य समायोजनों पर निर्भर था।

रिलायंस पावर की बांग्लादेश स्थित परियोजना को उन्नत गैस टरबाइन तकनीक देगी जीई

नयी दिल्ली. जीई ने शुक्रवार को कहा कि वह रिलायंस बांग्लादेश एलएनजी एंड पावर की मेघनाघाट स्थित आगामी 718 मेगावाट की बिजली परियोजना के लिए उन्नत गैस टरबाइन प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराएगी।जीई ने एक बयान में कहा कि रिलायंस बांग्लादेश एलएनजी एंड पावर, भारत की रिलायंस पावर और जापान की जीरा का एक संयुक्त उपक्रम है। मेघनाघाट परियोजना का इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कार्य समूह सैमसंग सीएंडटी द्वारा किया गया है और इसमें दो जीई 9एफ गैस टरबाइन, एक जीई डी11 स्टीम टरबाइन और तीन एच53 जेनरेटर लगे होंगे। एक अनुमान के मुताबिक इस संयंत्र से बांग्लादेश में 8.50 लाख से अधिक घरों में बिजली आपूर्ति की जाएगी। इस संयंत्र में पुन¬ गैसीकृत तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) का इस्तेमाल किया जाएगा।

भारत में विक्रेताओं को डिजिटल बनाने के प्रयासः अमेजन

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन देश में सूक्ष्म, लघु और मझोले (एमएसएमई) उद्यमों को डिजिटल बनाने पर ध्यान दे रही है। इसलिए उसने मंच से अधिक विक्रेताओं को जोड़ा है। साथ ही ज्यादा लोगों को नौकरी देने पर ध्यान लगा रही है।

विक्रेताओं का डिजिटलीकरण

कंपनी के निवेशक संबंध निदेशक डेविड फिल्डेस ने निवेशकों के साथ एक बातचीत में कहा, 'हमने भारत के बारे में कई बार बात की है, इतना ही नहीं वहां बहुत कुछ बनाने पर भी ध्यान है। भारत के बारे में सबसे खास बात क्या है कि भारत जैसे देश में हमारा पूरा ध्यान भारतीय विक्रेताओं के डिजिटलीकरण पर है। वहां बहुत सारे एमएसएमई हैं।' उन्होंने कहा कि हमने वहां डिजिटलीकरण के प्रयासों में मदद के लिए कई फीचर पेश किए हैं। कुछ ब्रांड (एमएसएमई) के साथ बहुत काम किया गया है, हमारी टीम ने अच्छा काम किया है। उन्होंने कुछ लक्ष्य तय किए हैं जिनमें अधिक विक्रेताओं को मंच से जोड़ना और अधिक लोगों को नौकरी पर रखना शामिल है। अमेजन की ओर से यह बयान ऐसे समय आया है जब वह भारत में वालमॉर्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट के साथ ई-कॉमर्स बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही है। वहीं अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी ने भी जियोमार्ट के नाम से इस बाजार में प्रवेश किया है।

कोरोना ने गरीबों पर बरपाया कहर, कमाई की तुलना में दो तिहाई बढ़ा कर्ज

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के इस दौर में सबसे ज्यादा गरीब लोगों पर असर पड़ा है। कोरोने से करीब 40 फीसदी गरीब परिवार कर्जे के जाल में फंस गए हैं। महामारी के इस काल में आधे से ज्यादा परिवारों में कमाने वाले को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। **Dalberg-Kantar** ने 5 अप्रैल से 3 जून के बीच कुल 47000 परिवारों पर सर्वे किया। कोरोना वायरस का निम्न आय वर्ग पर परेशान करने की तस्वीर सामने आई है। हालांकि **PDS**और कैश ट्रांसफर स्कीम से कुछ गरीब परिवारों को राहत मिली है।

दो तिहाई ज्यादा कर्ज का बोझ बढ़ा

Dalberg-Kantar सर्वे की रिपोर्ट की मानें तो कम आय के परिवार वालों पर कोरोना का कहर सबसे ज्यादा बरपा है। इस वर्ग में हर 4 में से 3 शख्स की नौकरी गई है। हर 5 में 2 शख्स कर्ज के बोझ से दबा है। इस सर्वे से यह बात सामने निकल आई है कि कोरोना काल में कमाई से दो तिहाई ज्यादा कर्ज का बोझ बढ़ा है। कोरोना वायरस के चलते हुए लॉकडाउन की वजह शहरी इलाकों में करीब 80 फीसदी लोगों को अपनी नौकरियां गवांनी पड़ी है। लेकिन **PDS** और कैश ट्रांसफर से थोड़ी मदद मिली है। 10 में 9 लोगों को **PDS** से सरकारी राशन मिला है।

भारत में अवसर भुनाने के लिये फेसबुक और गूगल ने किया जियो में निवेश

नई दिल्ली।

फेसबुक और गूगल जैसी दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनियों ने भारत में उभर रहे अवसरों को भुनाने के लिये मुकेश अंबानी की जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश किया है। ये कंपनियां भागीदारी का लाभ उठाकर देश में तेजी से उभर रहे कारोबारी अवसरों को भुनाने वाली हैं और यहां से प्राप्त अनुभवों को अन्य बाजारों में ले जाने वाली हैं।

भारत इंटरनेट के मामले में बड़ा बाजार

दोनों अमेरिकी कंपनियों ने अपने-अपने निवेशकों के साथ हुई बातचीत में भारतीय बाजार के महत्व को रेखांकित किया है। भारत इंटरनेट उपयोगकर्ताओं के सबसे बड़े वैश्विक बाजारों में से एक है। फेसबुक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग ने जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि उनकी कंपनी भारत में अवसरों को लेकर उत्साहित है। उन्होंने कहा कि यह भागीदारी भारत में हजारों किराना दुकानों और छोटे व्यवसायों को व्हाट्सऐप पर लाने तथा कारोबार करने में मदद करेगी।

भारत एक बड़ा अवसर

उन्होंने कहा एक बार जब हम जियो के साथ भारत में इसे सिद्ध कर देंगे, हमारी योजना भारत में तथा अन्य देशों में और भागीदारों को साथ जोड़ने की है। लेकिन इस बात में कोई संदेह नहीं है कि भारत एक बड़ा अवसर है।' जुकरबर्ग ने कहा कि भारत कंपनी के लिये तेज वृद्धि वाले व्यावसायिक अवसरों में से एक होगा। उन्होंने कहा कि काफी सारे लोग, विशेषकर भारत में, व्हाट्सऐप का प्रयोग करते हैं। उन्होंने कहा, 'भारत में छोटे व्यवसायों तथा व्यक्तिगत लोगों को व्हाट्सऐप के जरिये खरीद-बिक्री में सक्षम बनाने के अपार अवसर हैं। हम उन्हें सक्षम बनाना चाहते हैं और इसकी शुरुआत भुगतान को सक्षम बनाने से होती है।' फेसबुक ने अप्रैल में जियो प्लेटफॉर्म्स में 9.9 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले 5.7 अरब डॉलर यानी 43,574 करोड़ रुपये निवेश करने की घोषणा की थी। जियो प्लेटफॉर्म्स तब से कई शीर्ष निवेशकों से पैसे जुटा चुकी है।

गूगल पांच वर्षों में 10 अरब डॉलर का निवेश करेगा

गूगल ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि वह जियो प्लेटफॉर्म्स में 7.7 प्रतिशत हिस्सेदारी के बदले 33,737 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इसे मिलाकर जियो प्लेटफॉर्म्स अप्रैल से अब तक 1.52 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश जुटा चुकी है। गूगल की मातृ कंपनी अल्फाबेट के निवेशकों से बात करते हुए इसके प्रमुख सुंदर पिचाई ने कहा कि उनकी कंपनी ने भारतीय इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की मदद के लिये 'गूगल फॉर इंडिया' डिजिटल कोष की घोषणा की है। इस प्रयास के माध्यम से, गूगल अगले पांच से सात वर्षों में लगभग 10 अरब डॉलर का निवेश करेगी। पिचाई ने कहा हम स्थानीय भाषाओं में जानकारियों का उपलब्ध

कराने में मदद करेंगे और स्वास्थ्य, शिक्षा व कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी तथा कृत्रिम मेधा का प्रयोग करेंगे। जियो प्लेटफॉर्म्स में निवेश इस कोष के तहत पहली साझेदारी है और यह भारत में लाखों उपयोगकर्ताओं को स्मार्टफोन मुहैया करायेगी।

कोरोना संकट के चलते DGCA ने 31 अगस्त तक रद्द की सभी इंटरनेशनल उड़ानें

बिजनेस डेस्क:

कोरोना काल में डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द रखने की घोषणा की है। डीजीसीए के अनुसार कोरोना वायरस के मद्देनजर 31 अगस्त तक सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें सस्पेंड ही रहेंगी। हालांकि, ये आदेश उन उड़ानों पर लागू नहीं होगा, जो डीजीसीए से इजाजत लेकर उड़ान भर रहे हैं। आदेश में ये भी कहा गया है कि इस पूरे समय के दौरान विदेशी एयरलाइंस को 2500 से भी अधिक उड़ानों की इजाजत मिली हुई है, जिसके तहत विदेशों में फंसे भारतीय वापस भारत लाए जाएंगे और भारत में फंसे विदेशियों को विदेश ले जाया जाएगा। बता दें कि इससे पहले इंटरनेशनल कमर्शियल फ्लाइट्स पर 31 जुलाई तक के लिए रोक लगाई गई थी, जिसे अब बढ़ा कर 31 अगस्त तक कर दिया गया है। वंदे भारत मिशन के तहत एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 6 मई से 30 जुलाई 2020 तक 2,67,436 फंसे हुए यात्रियों को निकाला है और अन्य विमानन कंपनियों ने करीब 4,86,811 फंसे यात्रियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाया है। यात्रियों के मूवमेंट के लिए भारत ने अमेरिका, फ्रांस और जर्मनी के साथ एयर बबल एग्रिमेंट भी किया है। हाल ही में कुवैत के साथ भी ट्रांसपोर्ट बबल एग्रिमेंट किया गया है, जिसके तहत वहां फंसे भारतीयों को निकाला जाएगा और भारत में फंसे कुवैत के लोगों को भी उनके देश भेजने की व्यवस्था होगी। डीजीसीए ने कहा है कि ऐसे ही एग्रिमेंट किए जाते रहेंगे, ताकि फंसे लोगों को निकालना आसान हो सके।

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 129 अंक और टूटा

मुंबई

वैश्विक बाजारों के कमजोर रुख तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और एचडीएफसी जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में मुनाफावसूली से शुक्रवार को सेंसेक्स 129 अंक और टूट गया। यह लगातार तीसरा कारोबारी सत्र है जबकि बाजार नीचे आया है।बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 129.18 अंक या 0.34 प्रतिशत के नुकसान से 37,606.89 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 28.70 अंक या 0.26 प्रतिशत टूटकर 11,073.45 अंक पर बंद हुआ।साप्ताहिक आधार पर सेंसेक्स 522.01 अंक या 1.36 प्रतिशत नीचे आया है। वहीं निफ्टी में साप्ताहिक आधार पर 120.70 अंक या 1.07 प्रतिशत की गिरावट आई है। सेंसेक्स की कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर सबसे अधिक 1.98 प्रतिशत टूट गया। निवेशकों ने मौजूदा उच्चस्तर पर रिलायंस के शेयरों में मुनाफा काटा। कंपनी ने जून तिमाही में रिकॉर्ड 13,248 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया है। हिस्सेदारी बिक्री से जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज को एकमुश्त लाभ हुआ है, वहीं दूरसंचार कारोबार में बंपर आय से कंपनी कोविड-19 की वजह से रिफाइनिंग, पेट्रो रसायन तथा खुदरा खंड में आई गिरावट की भरपाई कर पाई है। कंपनी के नतीजे बृहस्पतिवार को घोषित किये गये। एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, एशियन पेंट्स, कोटक बैंक, बजाज ऑटो तथा अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर भी नुकसान में रहे।वहीं सन फार्मा, एसबीआई, एचसीएल टेक, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयर 4.27 प्रतिशत तक चढ़ गए। एसबीआई का शेयर 2.63 प्रतिशत चढ़ गया।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में एसबीआई का एकल शुद्ध लाभ 81 प्रतिशत बढ़कर 4,189.34 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। कारोबारियों ने कहा कि कमजोर वैश्विक रुख के बीच घरेलू शेयर बाजारों में उतार-चढ़ाव रहा। पिछली तिमाही में अमेरिकी अर्थव्यवस्था में रिकॉर्ड 32.9 प्रतिशत की गिरावट आई है।हांगकांग का हैंगसेंग, जापान का निक्की तथा दक्षिण कोरिया का कॉस्पी नुकसान में रहे। वहीं चीन का शंघाई कम्पोजिट लाभ के साथ बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार मामूली लाभ में थे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''अमेरिका के सबसे खराब तिमाही सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) आंकड़ों के बाद एशियाई बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं शुरुआती कारोबार में यूरोपीय बाजार भी स्थिर रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। भारत में भी अनिश्चितता दिखाई दे रही है। मुनाफावसूली तथा बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों के बाद उनके प्रदर्शन से बाजार प्रभावित हुआ।''

इस वर्ष सरकार 112 कृषि स्टार्ट-अप्स के वित्तपोषण के लिए 11.85 करोड़ रुपए खर्च करेगी: तोमर

नई दिल्ली:

कृषि क्षेत्र की कंपनियों को बढ़ावा देने के संदर्भ में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार चालू वित्त वर्ष में पहले चरण में 11.85 करोड़ रुपए की राशि के साथ 112 स्टार्ट-अप कंपनियों का वित्तपोषण करेगी। उन्होंने कहा कि यह धनराशि कृषि प्रसंस्करण, खाद्य प्रौद्योगिकी और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में विभिन्न ज्ञान भागीदारों और कृषि व्यवसाय इन्क्यूबेटरों द्वारा चयनित स्टार्ट-अप्स को दी जाएगी। यह वित्तपोषण, पुनोर्द्धार किए गए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (आरकेवीवाई) के तहत शुरू किए गए नवाचार और कृषि-उद्यमिता विकास कार्यक्रम के तहत प्रदान किया जाएगा। तोमर ने एक बयान में कहा, ''पहले चरण में, कृषि प्रसंस्करण, खाद्य प्रौद्योगिकी और मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में 112 स्टार्ट-अप को 11.85 करोड़

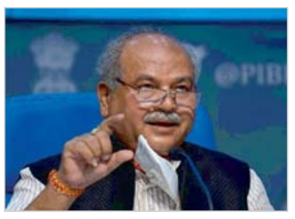

रुपए का वित्तपोषण किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि धनराशि किस्तों में जारी की जाएगी और चयनित स्टार्ट-अप को पूरे भारत में फैले 29 एग्रीबिजनेस इनक्यूबेशन सेंटरों में दो महीने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। उन्होंने कहा, इन स्टार्ट-अप्स से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इसके अलावा ये स्टार्ट-अप्स, प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से, किसानों को अवसर उपलब्ध करा करके उनकी आय बढ़ाने में योगदान करेंगे। सरकार ने देश भर में विज्ञापन और कठोर चयन प्रक्रिया के बाद उत्कृष्टता केंद्र के रूप में पांच ज्ञान साझेदारों को और 24 आरकेवीवाई-आरएएफटीएएआर एग्रीबिजनेस इनक्यूबेटर्स (आर-एबीआई) के रूप में शिनाख्त की है। कृषि में निजी निवेश बढ़ाने पर जोर देते हुए, तोमर ने कहा कि उनकी दृष्टि युवाओं को कृषि के प्रति आकर्षित करने और इस क्षेत्र का कायाकल्प करने की है। उन्होंने कृषि को प्रतिस्पर्धी बनाने, कृषि-आधारित गतिविधियों को मदद करने और नई तकनीक को जल्द से जल्द अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। तोमर ने यह भी स्मरण किया कि भारत में कृषि अनुसंधान, विस्तार और शिक्षा की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी-ने महीने के आरंभ में, कृषि और इससे सम्बद्ध क्षेत्रों में नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग सुनिश्चित करने के लिए स्टार्ट-अप और कृषि-उद्यमियों को बढ़ावा देने पर जोर दिया था।

वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में अंसल प्रॉपर्टीज को 210 करोड़ रुपये का घाटा

नई दिल्ली। संकट में घिरी रीयल एस्टेट कंपनी अंसल प्रॉपर्टीज एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर को बीते वित्त वर्ष 2019-20 की चौथी जनवरी-मार्च की तिमाही में 209.96 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 25.12 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि तिमाही के दौरान उसकी कुल आय घटकर 406.98 करोड़ रुपये रह गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 461.54 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी को 261.15 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ। इससे पिछले वित्त वर्ष 2018-19 में कंपनी को 140.24 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था। वित्त वर्ष के दौरान कंपनी की कुल आय बढ़कर 1,145.25 करोड़ रुपये पर पहुंच गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 824.39 करोड़ रुपये थी। अंसल प्रॉपर्टीज ने कई बैंकों से कर्ज लिया हुआ है।

गन्ना किसानों के लिए खुशखबरी, गोवा सरकार देगी 5.23 करोड़ रुपये

पणजी।

गोवा सरकार ने आज गन्ना किसानों के लिए स्पोर्ट प्राइस के तौर पर 5.23 करोड़ रुपए जारी करने का एलान किया। बुधवार से उसगाव गांव के पास संजीवनी शुगर फैक्ट्री के सामने गन्ना किसान अनिश्चितकाल के लिए भूख हड़ताल पर बैठे थे। हालांकि, सीएम प्रमोद सावंत की ओर से उन्हें मिलने का आश्वासन मिला, जिसके बाद से उन्होंने हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया।

शनिवार तक किसानों के खाते में पैसे ट्रांसफर

सीएम सांवत ने गोवा के डिप्टी सीएम चंद्रकांत कावलेकर और कोऑपरेशन मिनिस्टर गोविंद गावड़े की मौजूदगी में गन्ना किसानों के लिए शनिवार को स्पोर्ट प्राइस जारी करेंगे। राज्य सरकार ने कहा गन्ना किसानों के लिए 5.23 करोड़ रुपए जारी करेगी। मिनिस्टर गोविंद गावड़े ने कहा कि किसानों को प्रति टन उत्पाद पर 1,800 रुपए का भुगतान किया जाएगा। शनिवार तक इन किसानों के खाते में पैसे ट्रांसफर कर दिए जाएंगे।

साल 2018 से बंद है संजीवनी शुगर फैक्ट्री

मंत्री की ओर से बताया गया कि गन्ना किसानों ने फसल कटाई के लिए प्रति टन 600 रुपये की मांग की थी। जिसका भुगतान बाद में किया जाएगा। दक्षिण और उत्तरी गोवा में करीब 800 गन्ना किसान हैं। गोवा में प्रतिवर्ष 30 हजार मीट्रिक टन गन्ने का उत्पादन होता है। साल 2018 तक इन गन्नों की प्रोसेसिंग सरकार द्वारा संचालित संजवनी शुगर फैक्ट्री में होती थी। लेकिन साल 2018 के बाद इस फैक्ट्री को मेंटेनेंस के लिए बंद कर दिया था।फैक्ट्री बंद होने की वजह से गन्ने को प्रोसेसिंग के लिए कर्नाटक भेजा जाने लगा। वहीं अब मंत्री गावड़े ने बताया कि जल्द ही संजीवनी शुगर फैक्ट्री को आने वाले समय में खोले जाने का फैसला लिया जाएगा।

ऊंचे कर, शुल्कों के बोझ तले दबा है दूरसंचार उद्योग, होनी चाहिये पूरी समीक्षाः सुनील मित्तल

नयी दिल्ली,

देश के दूरसंचार उद्योग को ऊंचे कर एवं शुल्कों के बोझ तले दबा हुआ बताते हुये प्रमुख उद्योगपति सुनील भारती मित्तल ने शुक्रवार को उद्योग पर कर बोझ कम करने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र को खजाना भरने के स्रोत की तरह नहीं बल्कि आर्थिक गतिविधियों को कई गुणा बढ़ाने वाला समझा जाना चाहिये। भारती एयरटेल के चेयरमैन सुनील मित्तल ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' आह्वान ने उद्योग जगत को एक स्पष्ट संदेश दिया है कि दूरसंचार नेटवर्क, मोबाइल डिवाइस और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में भारत में अधिक मूल्य वर्धन हो। उन्होंने कहा, ''कर आमतौर पर इस उद्योग पर बहुत अधिक रहे हैं। यह महत्वपूर्ण है कि इसकी अच्छी तरह से समीक्षा की जाए और स्पेक्ट्रम जैसे दूरसंचार संसाधनों पर शुल्क को खजाना भरने का एक स्रोत नहीं बल्कि इसे आर्थिक गतिविधियों को कई गुना बढ़ाने वाले कारक के रूप में देखना चाहिये। ऐसे में जो कमी होगी, सरकार उसकी भरपाई इस उद्योग के सहारे आगे बढ़ने वाले अन्य उद्योगों से कमा लेगी।'' मित्तल भारत में मोबाइल टेलीफोनी के 25 साल पूरा होने के मौके पर सेल्यूलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया तथा आईएमसी स्टूडियो द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, सरकार को यह भी सुनिश्चित करने की जरूरत है कि काफी उतार-चढ़ाव से जूझने वाले दूरसंचार उद्योग पर शुल्कों व करों के मामले में ध्यान दिया जाये। मित्तल ने कहा कि यह भारत के लिये स्थानीय विनिर्माण के क्षेत्र में नेतृत्व करने का समय है। उन्होंने पिछले 25 वर्षों की दूरसंचार क्षेत्र की यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि अभी न सिर्फ महानगरों और छोटे शहरों बल्कि गांवों व ग्रामीण भारत में एक अरब से अधिक भारतीय हैं, जो आपस में जुड़े हुए हैं। मित्तल ने कहा कि मोबाइल नेटवर्क पर जुड़े अरब लोगों की भारतीय कहानी, जिनमें से लगभग 60 करोड़ लोग ब्रॉडबैंड इंटरनेट पर हैं, दुनिया के लिये भी यह अनोखी कहानी है। मित्तल ने कहा कि देश में टैरिफ दुनिया में सबसे कम हैं।

उन्होंने कहा, 'ग्राहक दुनिया में कहीं भी सबसे सस्ती दरों पर प्रति माह 15 जीबी डेटा उपयोग का आनंद ले रहे हैं। 200 रुपये से कम में, लोग एप्लिकेशन, संगीत, मनोरंजन, महत्वपूर्ण सरकारी सेवाओं, प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी), वित्तीय समावेश आदि का लाभ उठा रहे हैं। यह सब हमारे देश के अधिकांश लोगों के लिये किया जा रहा है।' हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि दूरसंचार क्षेत्र में एक समय कंपनियों की संख्या दो से बढ़कर 12 तक पहुंच गयी थी, लेकिन अब यह फिर से '3 + 1' ऑपरेटरों पर आ गया है।

इंडियन ऑयल का मुनाफा 47% गिरा, कोरोना के कारण तेल की मांग में आई कमी

नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन **(IOC)** का जून तिमाही में मुनाफा 47 फीसदी गिरा गया। कोरोना वायरस महामारी के कारण देश में तेल की मांग में कमी और रिफाइनिंग मार्जिन कम होने से कंपनी का मुनाफा प्रभावित हुआ। अप्रैल-जून तिमाही में आईओसी का शुद्ध लाभ 1910.84 करोड़ रुपए यानी प्रति शेयर 2.08 रुपए रह गया। यह पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही के मुकाबले 46.8 फीसदी कम है। एक साल पहले समान तिमाही में कंपनी को 3596.11 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था जो प्रति शेयर 3.92 रुपए था। जून तिमाही में अधिकांश समय देश में लॉकडाउन रहा और सड़कों पर सीमित वाहन चले। इससे आईओसी की तेल बिक्री 29 फीसदी घटकर 15.25 मिलियन टन रही। वित्त वर्ष 2020-21 की पहली तिमाही में कंपनी की रिफाइनरियों ने 25 फीसदी कम कच्चे तेल को प्रोसेस किया। इन दौरान आईओसी की रिफाइनरियों में केवल 12.9 मिलियन कच्चे तेल को प्रोसेस किया गया। कंपनी ने कहा कि उसे अप्रैल-जून तिमाही में हरेक बैरल कच्चे तेल को ईंधन में बदलने के लिए 1.98 डॉलर का नुकसान उठाना पड़ा। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का ग्रॉस रिफाइनिंग मार्जिन 4.69 डॉलर था।

परिचालन आय में भी भारी कमी

कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत और दुनिया में कोरोना वायरस महामारी (**Covid-**19 **pandemic**) के प्रभाव से बिजनस और आर्थिक गतिविधियां बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। कोविड के प्रकोप और 25 मार्च से शुरू हुए देशव्यापी लॉकडाउन के कारण वैश्विक मांग में काफी कमी आई और सप्लाई चेन बाधित हुई। इससे थोड़े समय के लिए कंपनियों को अपना कामकाज बंद या सीमित करना पड़ा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

जर्मनी को विश्व कप का खिताब जीताने वाले डिफेंडर हावेड्स ने लिया संन्यास

बर्लिन। जर्मनी को 2014 में विश्व कप खिताब दिलाने में मदद करने वाले डिफेंडर बेनेडिक्ट हावेड्स ने शुक्रवार को पारिवारिक कारणों से फुटबॉल से संन्यास ले लिया। इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने आपसी रजामंदी से लोकोमोटिव मॉस्को को छोड़ने का फैसला किया था जबकि कोरोना वायरस महामारी के कारण रूसी लीग को भी निलंबित कर दिया गया था। हावेड्स ने जर्मनी की मैग्जीन 'डर स्पिगेल' से कहा कि छुट्टियों पर छोटे बेटे के साथ समय बिताने के बाद उन्हें परिवार से दूर होने में परेशानी होनी लगी और 'अचानक उन्हें फुटबॉल इतनी महत्वहीन' लगने लगी कि उन्होंने इससे संन्यास लेने का फैसला किया।

आईपीएल 2020

50 प्रतिशत स्टेडियम भरना चाहता है एमिरेट्स क्रिकेट, सरकार दे सकती है मंजूरी

नई दिल्ली।

एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड के सचिव मुबाशशिर उस्मानी ने शुक्रवार को कहा कि अगर सरकार मंजूरी देती है तो वे संयुक्त अरब अमीरात में होने वाली इंडियन प्रीमियर लीग में स्टेडियमों को 30 से 50 प्रतिशत तक दर्शकों से भरना चाहेंगे। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की तारीखों की घोषणा करते हुए इसके अध्यक्ष ब्रजेश पटेल ने पीटीआई से कहा था कि 19 सितंबर से आठ नवंबर तक होने वाले टी20 टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों को मैदान में जाने की अनुमति देने का फैसला संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) सरकार द्वारा लिया जाएगा। तारीखों की घोषणा करने के बावजूद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी यूएई में आईपीएल कराने को लेकर भारत सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। उस्मानी ने फोन पर कहा, 'एक बार हमें बीसीसीआई से (भारत सरकार की मंजूरी के बारे में) पुष्टि हो जाए तो हम अपनी सरकार के पास पूर्ण प्रस्ताव और मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) के साथ जाएंगे जो हमारे और बीसीसीआई द्वारा तैयार किया गया होगा। उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से हमारे लोगों को इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का अनुभव कराना चाहेंगे लेकिन यह पूरी तरह से सरकार का फैसला होगा। यहां ज्यादातर टूर्नामेंट में दर्शकों की संख्या 30 से 50 प्रतिशत तक होती है, हम इसी संख्या की उम्मीद कर रहे हैं।' उस्मानी ने कहा, 'हमें इस पर अपनी सरकार की मंजूरी की उम्मीद है।' यूएई में कोविड-19 के 6000 से ज्यादा सक्रिय मामले हैं और वहां महामारी पर स्थिति लगभग नियंत्रित ही है। हालांकि नवंबर में होने वाले 2020 दुबई रग्बी सेवंस टूर्नामेंट को कोरोना वायरस के खतरे के कारण 1970 के बाद पहली बार रद्द कर दिया गया है। उन्होंने आईपीएल की सुरक्षा को लेकर हो रही चिंताओं के बारे में कहा, 'यूएई सरकार संक्रमितों की संख्या को कम करने में काफी कारगर रही है। हम कुछ नियम और प्रोटोकॉल का पालन करके सामान्य जीवन जी रहे हैं।' उस्मानी ने कहा, 'और आईपीएल में तो अभी थोड़ा समय है, हम निश्चित रूप से इससे बेहतर स्थिति में होंगे'' आईपीएल की संचालन परिषद रविवार को बैठक करके लॉजिस्टिक और एसओपी पर फैसला करेगी।

सहवाग और सरदार को मिली बड़ी जिम्मेदारी, राष्ट्रीय खेल पुरस्कार में निभाएंगे यह रोल

नयी दिल्ली।

खेल मंत्रालय ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2020 के लिए शुक्रवार को चयन समिति की घोषणा की जिसमें पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग और पूर्व हॉकी कप्तान सरदार सिंह को शामिल किया गया है। मंत्रालय द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत न्यायाधीश मुकुंदम शर्मा समिति के अध्यक्ष होंगे । समिति के सदस्यों में सहवाग (क्रिकेट), सरदार (हॉकी), मोनालिसा बरूआ मेहता (टेबल टेनिस), दीपा मलिक (पैरा एथलेटिक्स) और वेंकटेशन देवराजन (मुक्केबाजी) शामिल हैं। इनके अलावा मशहूर खेल कमेंटेटर मनीष बटाविया, खेल पत्रकार आलोक सिन्हा और नीरू भाटिया भी समिति में होंगे। खेल मंत्रालय से भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक संदीप प्रधान, खेल विभाग के संयुक्त सचिव एल एस सिंह और टारगेट ओलंपिक पोडियम (टॉप्स) योजना के सीईओ राजेश राजागोपालन समिति में होंगे । द्रोणाचार्य पुरस्कार के लिए अध्यक्ष दो अतिरिक्त सदस्यों को शामिल कर सकता है जो द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित रह चुके हों। यह समिति राजीव गांधी खेल रत्न, द्रोणाचार्य पुरस्कार, अर्जुन पुरस्कार, ध्यानचंद पुरस्कार, राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार और मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्राफी के विजेताओं का चयन करेगी।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और PSL के बीच रिश्तों में खटास, ये है बड़ा कारण

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में इसकी फेंचाइजी के बीच रिश्तों में खटास आ गई है क्योंकि तीन टीमें बोर्ड के साथ वित्तीय और प्रायोजन संबंधित प्रतिबद्धताएं पूरी करने में असफल रहीं। लीग में छह फेंचाइजी के मालिकों ने पीसीबी को कड़े शब्दों में ईमेल भेजा है और ऐसा पीएसएल की 28 जुलाई को निर्धारित संचालन परिषद बैठक के रद्द करने के बाद हुआ क्योंकि बोर्ड अध्यक्ष और मुख्य कार्यकारी अधिकारी छुट्टियां मनाने ब्रिटेन रवाना हो गए। लेकिन समाधान निकालने के बजाय पीएसएल के परियोजना कार्यकारी शोएब नावेद ने अपने जवाब में कहा कि भविष्य में ये तीन फेंचाइजी संचालन परिषद या किसी अन्य चर्चा का हिस्सा नहीं होंगी, जब तक वे अपना बकाया नहीं दे देतीं। बोर्ड में एक सूत्र ने कहा, 'शोएब नावेद ने स्पष्ट किया कि बोर्ड ने फैसला किया कि जिन फेंचाइजियों ने बोर्ड के साथ अपनी वित्तीय प्रतिबद्धताओं को पूरा किया है, उन्हें ऐसा नहीं करने वाली फेंचाइजी टीमों की वजह से इसका खामियाजा क्यों भुगतना पड़े।'

कोच के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद निशानेबाजी राष्ट्रीय शिविर स्थगित

नई दिल्ली ।

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने एक अगस्त से कर्णी सिंह निशानेबाजी रेंज में ओलम्पिक खिलाड़ियों के लिए लगाए जाने वाले अनिवार्य राष्ट्रीय शिविर को रद्द कर दिया। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा रेंज स्थित कोच के कोरोनावायरस से संक्रमित पाए जाने की खबर के एक दिन बाद यह फैसला लिया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने शुक्रवार को आईएएनएस से कहा, 'शिविर की शुरुआत कल (1 अगस्त) से नहीं हो रही है। हम नई तारीखों को लेकर चर्चा करेंगे। हम अगले सप्ताह इस बात की घोषणा करेंगे।' निशानेबाजों और प्रशिक्षकों ने इस शिविर में अनिवार्य रूप से आने के नियम पर आपत्ति जताई थी और वे चाहते थे कि यह तमगा हटाया जाए। भाटिया से जब इस संदर्भ में पूछा गया तो उन्होंने कहा, जब हम इस बात पर चर्चा करेंगे कि शिविर कब लगाया जाएगा तभी हम इन सभी चीजों पर भी बात करेंगे। आठ जुलाई से जब से रेंज खुली है तब से कई निशानेबाज वहां ट्रेनिंग कर रहे हैं। साई ने गुरुवार को कहा कि कोच के वायरस से पॉजिटिव आने के बाद भी ट्रेनिंग पर असर नहीं पड़ेगा। साई ने कहा, कोच ने केंद्र के प्रशासनिक विभाग का 24 जुलाई, 2020 को दौरा किया था। कोच ने मैदान का दौरा नहीं किया था और न ही सेंटर पर ट्रेनिंग कर रहे खिलाड़ियों से बात की थी। प्रोटोकॉल से संबंधित सभी कदम उठाए गए हैं। सेंटर को सैनेटाइज किया गया है और निशानेबाजों की ट्रेनिंग पर असर नहीं पड़ेगा।

संक्षिप्त समाचार

सर्जियो की कोरोना रिपोर्ट आई पॉजिटिव, ब्रिटिश ग्रां प्री में पेरेज की जगह भाग लेंगे हुल्केनबर्ग

सिल्वरस्टोन। फार्मूला वन ड्राइवर सर्जियो पेरेज के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद रविवार को ब्रिटिश ग्रांप्री उनकी जगह रेसिंग प्वाइंट टीम में अनुभवी निको हुल्केनबर्ग लेंगे। 32 साल के हुल्केनबर्ग रेनो की टीम में अपनी जगह नहीं बना पाए थे। रेसिंग प्वाइंट के 'टीम प्रिंसिपल' ओटमार स्जाफनउर ने उन्हें रेस के लिए टीम में शामिल होने का प्रस्ताव दिया तो वह मना नहीं कर सके। एफवन के 177 रेस का अनुभव रखने वाले हुल्केनबर्ग ने शुक्रवार को कहा, 'मैं एक अन्य रेसिंग 'प्रोजेक्ट' के लिए नूरबर्गरिंग जा रहा था तभी ओटमार का फोन आया। मेरे पास 24 घंटे से कम समय था लेकिन मुझे चुनौती पसंद हैं।' इससे पहले पेरेज को कहा था कि हंगरी और ब्रिटेन में हुई रेस के बीच में मेक्सिको की यात्रा के दौरान इस वायरस से संक्रमित हुए होंगे। पेरेज को गुरूवार को परीक्षण के नतीजे में खुद के संक्रमित होने का पता चला जिससे वह सिल्वरस्टोन में रविवार को होने वाली रेस का हिस्सा नहीं हो पायेंगे। इसके अलावा वह पृथकवास में रहने के कारण अगले हफ्ते इसी ट्रैक पर होने वाली एक अन्य रेस में भी शिरकत नहीं कर पाएंगे।

बिलिंग्स को टीम में अपनी जगह पक्की करनी है : की

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रोब की ने अपने पूर्व केंट के टीम साथी सैम बिलिंग्स से इंग्लैंड की वनडे टीम में जगह बनाने का अनुरोध किया है। बिलिंग्स ने गुरुवार को पहले वनडे मैच में आयरलैंड के खिलाफ 67 रनों की नाबाद पारी खेली, जोकि उनके करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी है। इंग्लैंड ने पहले मैच छह विकेट से जीतकर मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। की ने स्काई स्पोर्ट्स से कहा, 'पहली गेंद से ही ऐसा लग रहा था कि वह अच्छे टच में थे। उन्होंने शुरुआत में कई अच्छे पुल शॉट लगाए। उन्हें अच्छी तरह से जानने के बाद, वह उन खिलाड़ियों में से एक है जिन्हें उतना फायदा नहीं हुआ है जितना कि लोग दुनिया भर की विभिन्न लीगों में खेलने से सोचते हैं।' की ने कहा, 'मुझे लगता है कि अब उनके लिए वास्तव में यह दिखाना शुरू करने का समय है। आज एक पारी थी, अब उन्हें बस इसे आगे ले जाने की जरूरत है। उन्हें अपनी जगह बनानी हैं। आप ऐसा क्या करना चाहते हैं, सैम बिलिंग्स? टीम में जगह पाना आसान नहीं है। जोस बटलर वहां हैं। लेकिन क्या आप टी 20 विश्व कप (अगले साल) में जाना चाहते हैं? तो फिर आपको लगातार प्रदर्शन करते रहना होगा।'

हरमनप्रीत सिंह और चिंगलेनसाना रोल मॉडल की तरह है: जूनियर हॉकी खिलाड़ी

नई दिल्ली।

सीनियर टीम में जगह बनाने की कोशिश में जुटे भारत के जूनियर हॉकी खिलाड़ी रविचंद्र सिंह मोइरांगथेम और दीनाचंद्र सिंह मोइरांगथेम का कहना है कि चिंगलेनसाना सिंह कांगुजम और हरमनप्रीत सिंह उनके लिए रोल मॉडल की तरह हैं। तीन साल पहले जूनियर टीम में जगह बनाने के बाद 31 मैच खेल चुके मिडफील्डर रविचंद्र ने कहा कि मणिपुर के उदीयमान हॉकी खिलाड़ियों के लिए चिंगलेनसाना प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा, 'चिंगलेनसाना के रास्ता दिखाने के बाद मणिपुर में हॉकी काफी लोकप्रिय हुई है। उसने भारत के लिये 200 से ज्यादा मैच खेले हैं और राज्य में युवा उसे देखकर हॉकी के प्रति आकर्षित हो रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं उनका खेल करीब से देखता हूं और उम्मीद है कि एक दिन उनकी तरह बनूंगा। कोथाजीत सिंह भी काफी अनुभवी हैं। हमें ऐसे रोल मॉडल मिलने की खुशी है।' दीनाचंद्र ने कहा कि हरमनप्रीत देश के युवा डिफेंडरों के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। उन्होंने कहा, 'उसका खेल लाजवाब है। उसने कई मैचों में भारत को जीत दिलाई है और देश के डिफेंडरों के लिये प्रेरणा का स्रोत है। दबाव के हालात में भी वह शांतचित्त रहता है। हम खुशकिस्मत हैं कि सीनियर टीम में उसके जैसा खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, 'मैं अपने हुनर को निखारकर नयी तकनीकें सीखना चाहता हूं। मेरा सपना भारत के लिये खेलने का है और मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं।'

पूर्व ओलम्पिक चैंपियन मरे का बड़ा बयान, कहा- यूएस ओपन से अभी और खिलाड़ी हटेंगे

लंदन । पूर्व ओलम्पिक चैंपियन और तीन बार के ग्रैंड स्लेम विजेता ब्रिटेन के एंडी मरे ने कहा है कि विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी के साल के आखिरी ग्रैंड स्लेम यूएस ओपन से हटने के बाद और खिलाड़ी भी कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए यूएस ओपन से हट सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की बार्टी ने गुरूवार को कहा था कि वह अमेरिका की यात्रा करने को लेकर सहज महसूस नहीं कर रही हैं और यूएस ओपन से हट रही हैं। यूएस ओपन 31 अगस्त से शुरू होना निर्धारित है। पूर्व नंबर एक मरे ने ब्रिटिश मीडिया से कहा, 'मैंने सुना है कि कुछ शीर्ष पुरुष खिलाड़ी यूएस ओपन में नहीं खेलने जा रहे हैं और मुझे लगता है कि इसके पीछे कोरोना का ही मामला हो सकता है। खेलना या नहीं खेलना हर किसी का निजी फैसला है। यदि वे खुद को सुरक्षित नहीं समझते हैं, सहज महसूस नहीं करते हैं, यात्रा कर खुद को और अपनी टीम को खतरे में डालना नहीं चाहते हैं तो इस बात को समझा जा सकता है।% विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच और नंबर दो राफेल नडाल तथा पूर्व नंबर एक सेरेना विलियम्स यूएस ओपन के अभ्यास टूर्नामेंट वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन में खेलने जा रहे हैं जो इस बार 20 से 28 अगस्त तक न्यूयार्क में होगा। इससे पहले यह टूर्नामेंट सिनसिनाटी में आयोजित किया जाता रहा था लेकिन कोरोना के कारण इस बार न्यूयार्क में होने जा रहा है। दोनों टूर्नामेंट दर्शकों के बिना खेले जाएंगे। अमेरिकी टेनिस संघ इन टूर्नामेंटों के लिए जैविक सुरक्षा वातावरण तैयार करेगा।

पीठ में चोट के कारण आयरलैंड वनडे सीरीज से बाहर हुए डेनले

साउथैम्पटन । इंग्लैंड के बल्लेबाज जोए डेनले पीठ में चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ खेली जा रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने बुधवार को अपनी वेबसाइट पर एक बयान जारी कर इस बात की जानकारी दी। डेनले के स्थान पर 14 सदस्यीय टीम में लियाम लिविंगस्टोन को जगह मिली है। लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड के लिए दो टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले हैं और अगर वह सीरीज के बाकी बचे दो मैचों में अंतिम-11 में चुने जाते हैं तो वह वनडे पदार्पण करेंगे। इंग्लैंड ने गुरुवार को खेले गए पहले मैच में आयरलैंड को छह विकेट से हरा तीन मैचों की वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है। इस मैच में डेविड विले ने पांच विकेट लिए थे और सैम बिलिंग्स ने नाबाद 67 रनों की पारी खेल टीम को जीत दिलाई थी। विले ने अपने वनडे करियर में पहली बार पांच विकेट लिए और इसके लिए वह मैन ऑफ द मैच भी चुने गए। सीरीज का दूसरा मैच एक अगस्त (शनिवार) को साउथैम्पटन के एजेस बाउल में ही खेला जाएगा। कोविड-19 के बीच यह पहली वनडे सीरीज है और इसी सीरीज के साथ आईसीसी विश्व कप सुपर लीग की शुरुआत हुई है।

आईपीएल के भारत में नहीं होने से निराश हूं: स्मिथ

नई दिल्ली। आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और राजस्थान रॉयल्स टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 13वें सीजन के भारत से बाहर होने पर निराशा जताई है। आईपीएल का आयोजन मार्च में होना था लेकिन कोविड-19 के कारण इसे टाल दिया गया था। अब यह लीग यूएई में सितंबर से शुरू होगी। आईपीएल के चेयरमैन बृजेश पटेल ने पिछले सप्ताह कहा था कि इस साल लीग 19 सितंबर से आठ नवंबर के बीच खेली जाएगी और इस बात की जानकारी फेंचाइजी को दे दी गई है। स्मिथ ने कहा कि खिलाड़ियों को यूएई की स्थिति से तालमेल बिठाना पड़ेगा लेकिन यह समस्या नहीं होगी क्योंकि हर कोई मैदान पर वापसी करना चाहता है और अच्छी क्रिकेट खेलना चाहता है। स्मिथ ने राजस्थान रॉयल्स की डॉक्यूमेंट्री इनसाइड स्टोरी के विशेष प्रीमियर पर वीडियोकॉन्फ्रेंस के जरिए संवाददाताओं से कहा, 'मुझे लगता है कि पेशेवर खिलाड़ी के तौर आपके सामने जो भी स्थिति आती है, उससे सामंजस्य बैठाना होता है और यही कोचिंग स्टाफ की तरफ से स्पष्ट संदेश होगा। उन्होंने कहा, दुबई में स्थितियां भारत जैसी हो सकती हैं या इससे अलग, यह हालात के साथ तालमेल बिठाने की बात है। कुछ खिलाड़ियों को वहां पहले से ही खेलने का अनुभव है। मेरे ख्याल में 2014 में आईपीएल वहां हुआ था, कई खिलाड़ी वहां आईपीएल खेल चुके हैं। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, मुझे लगता है कि खिलाड़ी अच्छी क्रिकेट खेलने को व्याकुल होंगे। जाहिर सी बात है कि आईपीएल भारत में नहीं हो रहा है तो यह निराशा वाली बात है। हम वहां खेलना पसंद करते। स्मिथ ने कहा कि कोविड-19 के कारण लंबे समय तक क्रिकेट से दूर रहने के चलते सभी खिलाड़ी एक जैसी स्थिति में होंगे और किसी भी टीम के पास कोई खास तरह की बढ़त नहीं होगी। स्मिथ ने कहा, 'हां, यह चुनौतीपूर्ण होगा। कई खिलाड़ियों ने क्रिकेट नहीं खेली है। इस नजरिए से यह बराबरी की प्रतिस्पर्धा होगी। उन्होंने कहा, हर कोई समान तरह की तैयारी के साथ आएगा जो अच्छा होगा। यह काफी मुश्किल समय है और खिलाड़ी किसी भी तरह से क्रिकेट की वापसी चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'जब आईपीएल शुरू होगा यह काफी रोचक होगा। वहीं राजस्थान के सबसे युवा खिलाड़ी रियान पराग ने भी आईपीएल की वापसी पर बात की। पराग के नाम आईपीएल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने का रिकार्ड है।

एफपीएआई ईस्ट बंगाल को आईएसएल में शामिल करने की बात करके विवाद में फंसा

नयी दिल्ली । भारतीय फुटबॉल खिलाड़ी संघ (एफपीएआई) शुक्रवार को तब विवाद में फंस गया जब उसने अपने अध्यक्ष रेनेडी सिंह की सहमित के बिना ईस्ट बंगाल क्लब को शीर्ष टीयर की इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में शामिल करने के लिये एआईएफएफ और आईएसएल आयोजक को पत्र लिख दिया। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव कुशल दास और इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के आयोजक फुटबॉल स्पोर्ट्स डेवलपमेंट लिमिटेड (एफएसडीएल) को पत्र लिखकर संघ ने संबंधित शेयरधारकों से अनुरोध किया कि वे इस मामले का जल्दी हल निकालने के लिये अपने मतभेदों को अलग रखें। एफपीएआई महासचिव साइरस फन्फेक्शनर ने पत्र में लिखा, ''संघ में हम आपसे अनुरोध करते हैं कि ईस्ट बंगाल को बिना किसी हिचकिचाहट या विलंब के आईएसएल में शामिल कर लें। उन्होंने कहा- इस क्लब का समृद्ध इतिहास है और यह सबसे पुराने और प्रमुख क्लबों में से एक है जिसके बहुत सारे प्रशंसक हैं जिसकी खेल को भारत में इसके विकास और इसे आगे बढ़ाने के लिये जरूरत है। उन्होंने लिखा- भारतीय फुटबॉल में सभी को अपने मतभेदों को दूर रखकर इस टीम को आईएसएल में शामिल करना चाहिए क्योंकि भारतीय फुटबॉल में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। पूर्व भारतीय मिडफील्डर रेनेडी सिंह ने इस संवेदनशील मामले में अपने जूनियर की प्रतिक्रया के बाद अपनी संस्था का रूख स्पष्ट किया कि उसका काम केवल खिलाड़ियों का समर्थन करना है, किसी क्लब का नहीं।

खुश रहने सुलझाएं वैवाहिक संबंध

शादीशुदा जिंदगी हर व्यक्ति के लिए काफी खास रहती है। लेकिन जितनी खास रहती है उतनी ही नाजूक भी होती है। जरा-जरा सी बातों की वजह से रिश्ता टूट जाता है। कुछ अनबन सी हो जाती है। जिससे काफी परेशानियां बढ़ जाती है। संबंधों को तोड़ने में पांच वजह खलनायक की भूमिका निभाती हैं। यह कौन नही चाहता कि पति-पत्नी के बीच रिश्ते में हमेशा शहद-सी मिठास घुली रहे बावजूद गाहे-बगाहे खटास आ ही जाती है। आइए जानें।

विश्वास का संकट

अगर पति या पत्नी में से किसी एक को भी दूसरे की ईमानदारी पर भरोसा नहीं है तो रिश्ता बहुत दिन तक नहीं चल सकता ।जीवन साथी के बीच कई बार गलतफहमियों की वजह से विश्वास का संकट आ जाता है। लगने लगता है कि एक-दूसरे को चीट कर रहे हैं ।कई बार थोड़ी-सी लापरवाही की वजह से भी अविश्वास पैदा होने लगता है। जैसे, पत्नी को ऑफिस से घर आने में लगातार देर हो रही है तो फोन कर उसे अपने पार्टनर को बता देना चाहिए कि वह देर से आएगी। ध्यान रखें, अगर पति भी किसी काम में फंसे हैं और देर से घर आते हैं तो पत्नी को इसकी सही वजह बताएं।

छोटे-छोटे झूठ बोलने से बचें क्योंकि कई बार एक छोटा-सा झूठ बड़े शक की वजह बनता है ।एक-दूसरे की भावनाओं के प्रति संवेदनशील बने रहें और आपस में इर्ष्या न करें, वरना अविश्वास पैदा होगा। शादी के पहले के संबंधों को बार-बार न कुरेंदे।

बातचीत में कमीं

दिनभर के रुटीन को लेकर पति-पत्नी में बातचीत होती रहती है लेकिन केवल इससे यह समझ लेना कि आपस में संचार ठीक है, सही नहीं है ।सही कम्युनिकेशन तब माना जाएगा जब सुकून से बैठकर एक-दूसरे से आप अपने लक्ष्य, विचार और सपने शेयर करें। अगर रोज थोड़ी देर अपने काम, अपने रुटीन और अपने बच्चों के अलावा अन्य बातें करें तो आपसी रिश्ते मजबूत होते हैं ।चौबीस घंटे में एक बार चाहे लंच या डिनर पर पति-पत्नी को एक साथ जरूर मिलना चाहिए। इससे आपस में संवाद के रास्ते बने रहते हैं।

शारीरिक कमजोरी की समस्या

कई बार पति-पत्नी के बीच प्यार में कोई कमी नहीं होती, फिर भी उनके बीच सेक्स को लेकर समस्या खड़ी हो जाती है। विवाह के शुरुआती बरसों में पति-पत्नी के बीच सेक्स संबंधों में जो गरमाहट होती है, वह धीरे-धीरे कम होती जाती है। घरेलू जिम्मेदारियां बढ़ने के कारण सेक्स को लेकर उदासीनता आ जाती है। इसकी वजह से आपस में दूरियां बढ़ने लगती हैं। इस समस्या से बाहर आने के लिए पति-पत्नी को एक-दूसरे से अपने सेक्स अनुभव शेयर करने चाहिए। अपनी फैन्टेसीज बताएं और सेक्स में क्या अपेक्षाएं हैं, इस पर खुलकर बात करें।

खर्चे का ध्यान

पति-पत्नी के बीच पैसा एक नाजुक इश्यू होता है। यदि दोनों कमाऊ हैं तो अपने वेतन को कैसे खर्च करना है और कहां इन्वेस्ट करना है, ये विवाद का विषय बन जाता है। पत्नी कोई बड़ा सामान खरीदने में पति की सलाह नहीं लेती या पति बिना पत्नी से पूछे शेयर में पैसे लगा देता है तो निश्चित ही झगड़े होंगे। इससे बचने के लिए पति-पत्नी को मिल-बैठ कर हर महीने का बजट बनाना चाहिए ।इसमें शॉर्ट टर्म इंवेस्टमेंट के साथ बड़े खर्चों पर भी विचार करना चाहिए तभी गृहस्थी की गाड़ी बिना रुकावट के चलेगी।

पति-पत्नी के बीच अंडरस्टैंडिंग

पति-पत्नी के बीच ऐसी अंडरस्टैंडिग होनी चाहिए कि किसी मुद्दे पर विचार अलग-अलग हों तो भी एक-दूसरे को समझते हुए निर्णय लें। अगर एक-दूसरे को इग्नोर करते हुए ये सोचेंगे कि मैं चाहे जो करूंमेरी मर्जी, तो बात बनने की बजाय बिगड़ जाएगी ।मतभेद होने पर एक-दूसरे पर चीखने चिल्लाने के बजाय बातचीत का रास्ता अपनाएं। याद रखें, पार्टनर की बात पर असहमत होने का मतलब उसका निरादर करना नहीं होता।

कैसे निपटें

एक-दूसरे की इज्जत करें, बोलने और व्यवहार में एकदूसरे के प्रति आदर झलकना चाहिए, कभी अपने पार्टनर को ह्यूमिलिएट करने या नीचा दिखाने की कोशिश नहीं होनी चाहिए।

अपने पार्टनर को एप्रीशिएट करें। इससे एक-दूसरे का महत्व स्थापित होता है और जुड़ाव बढ़ता है। वास्तविकता में जियें। ये न सोचें कि आपकी सभी मांग पार्टनर पूरी कर देगा ।अगर मांग पूरी न हो तो नाराज होने के बजाय कारण समझने की कोशिश करें। पति और पत्नी, दोनों की अलग-अलग परिवारों में परवरिश होती है। इसी वजह से सोचने, काम करने का ढंग और रुचियां एक जैसी नहीं होती हैं। आपस में हंसी-मजाक करें और निकटता को इंज्वॉय करें।

जब पहनें पोल्का

पोल्का डॉट एक ऐसा फैशन हैं जो अस्सी-नब्बे के दशक से प्रचलित है। आज भी महिलाओं के बीच इसका क्रेज यूं ही बरकरार है। इसकी खूबसूरती यह है कि चाहे कोई छोटी-सी बच्ची हो या टीनेजर्स या फिर कोई विवाहित महिला- हर किसी पर यह बखूबी जंचता है। आज के दौर में न सिर्फ इन डॉट्स का साइज बदला है बल्कि इसे पहनने के भी ढेरों तरीके हैं। चलिए आज हम आपको पोल्का डॉट से जुड़े कुछ स्टाइलिश तरीके बताते हैं-

ड्रेस दे कंप्लीट लुक

यदि आप पूरी तरह पोल्का डॉट की खुमारी में खो जाना चाहती हैं तो आप ऐसी ड्रेस का चयन कर सकती हैं जो पूरी तरह पोल्का डॉट से भरी हुई हो। इससे आप एक्सपेरिमेंट करने के लिए कलर ब्लॉकिंग का सहारा ले सकती हैं। जब आप पोल्का डॉट की ड्रेस पहनें तो इसके साथ कॉन्ट्रास्टिंग कलर की एक्सेसरीज ही कैरी करें। यह आपके लुक को आकर्षक करने का काम करेगा। यदि आपको पूरी तरह रेट्रो लुक पसंद नहीं है तो आप बड़े की बजाय छोटे डॉट्स की ड्रेस सलेक्ट करें।

स्कर्ट लगे कूल

गर्मियों के मौसम में अक्सर स्कर्ट्स को ही तवज्जो दी जाती है। इस समर सीजन आप रेट्रो और मेट्रो लुक का कॉम्बिनेशन ट्राई कर सकती है। यकीनन, आपको देखने वाले बस देखते ही रह जाएंगे। एक टैंक टॉप के साथ पोल्का डॉट स्कर्ट आपको गर्लिश लुक देने के लिए पर्याप्त है। इसके साथ मेकअप व एक अच्छा हेयरडू आपके रूप को और भी अधिक निखार देगा। यदि आप खुद को मॉडर्न लुक देना चाहती हैं तो आप छोटे पोल्का डॉट युक्त एक पेंसिल स्कर्ट का ही चयन करें। इसके साथ एक शर्ट या नॉटिकल स्ट्राइप्ड टीशर्ट टीमअप करना अच्छा रहेगा।

डेनिम है दमदार

अब पुराने गिने-चुने रंगों में सिंपल डेनिम्स पहनने के दिन लद गए। आजकल महिलाएं प्रिंटेड जींस व जेगिंग्स को तवज्जो देने लगी हैं। तो क्यों न इनमें भी पोल्का डॉट्स ट्राई किया जाए। आप पोल्का डॉट्स की जींस को कॉम्पलिमेंटरी कलर के टॉप के साथ कैरी कर सकती हैं। डेनिम की पोल्का डॉट जींस के साथ ढेरों एक्सपेरिमेंट्स किए जा सकते हैं। बस जरूरत है, थोड़ी सी क्रिएटिविटी का इस्तेमाल करने की।

एक्सेसरीज का सहारा

यदि आप पोल्का डॉट के परिधान पहनने में खुद को कंफर्टेबल फील नहीं करती लेकिन फिर भी आप इसे कैरी करना चाहती हैं तो इसके लिए आप एसेसरीज का सहारा ले सकती हैं। यह आपके लुक को मिक्स एंड मैच दिखाएगा। इसके लिए आप ऐसा हैड स्कार्फ या हैड बैंड चुनें, जिनमें पोल्का डॉट्स का इस्तेमाल किया गया हो। इसके अतिरिक्त कंट्रास्टिंग कलर में पोल्का डॉट युक्त स्कॉर्फ, क्लच, बेल्ट, इयरिंग यहां तक कि छाता भी आपको एक चिक लुक देगा।

टॉप में भी हैं ऑप्शन

पोल्का डॉट पहनते समय अपनी बॉडी टाइप का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। यदि आपका अपर पार्ट हैवी है तो बेहतर होगा कि आप बड़े डॉट्स के टॉप पहनें। वहीं पतली-दुबली महिलाओं के लिए छोटे डॉट्स के टाप्स उनकी खूबसूरती में चार-चांद लगा देते हैं। यदि आप ग्रे और ब्लैक जैसे म्यूट कलर के टॉप के साथ डेनिम की जींस कैरी करते हैं तो निश्चित ही आप अपने लुक में एक खूबसूरत बदलाव पाएंगी।

ब्यूटी स्कूल चुनने के 5 टिप्स

खूबसूरत व स्टाइलिश दिखने की तमन्ना ने आज हर किसी को सेल्फ ग्रूमिंग के लिए प्रेरित कर दिया है, जिसके चलते ब्यूटी स्कूल की डिमांड काफी बढ़ गई है क्योंकि खुद को खूबसूरती के साथ ड्रेसअप करने के लिए चाहे वो युवा हो या वयस्क, हर कोई सेल्फ ग्रूमिंग व प्रोफेशनल कोर्सेज की ओर रुख कर रहा हैं। ऐसे में सलून मैनेजमेंट गुरु व एल्प्स एकेडमी की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर गुंजन गौड़ बता रही हैं ब्यूटी स्कूल के चयन के बारे में

ओल्ड इज गोल्ड- बेशक काम करते-करते ही अनुभव का ग्राफ बढ़ता है लेकिन जब बात हो बेसिक्स को क्लीयर करने व सीखने की, तो किसी एक्सपर्ट का होना बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट द्वारा ब्यूटी एजुकेशन प्राप्त करने के लिए ये जरूरी है कि आप कम से कम एक दशक पूरा कर चुकने वाली एकेडमी को ही अपने लिए चुनें क्योंकि नई एकेडमी शुरुआत में खुद को स्थापित करने के लिए ही प्रयास कर रही होती है तो ऐसे में वो अपने स्टूडेंट्स पर ध्यान नहीं दे पाती।

योरी पर पूर्ण ध्यान- ऐसी एकेडमी को चुनें जहां प्रैक्टिकल के साथ-साथ योरी पर भी ध्यान दिया जाता हो ताकि आगे चलकर स्टूडेंट्स की रीजनिंग यानी क्यों और कैसे, जैसे सवालों के जवाब क्लीयर हो जाएं।

लाइव प्रैक्टिस- फंडामेंटल्स को पूरी तरह से क्लीयर करवाने के बाद छात्रों का हाथ खोलने और प्रैक्टिकली एक्सपर्ट बनाने के लिए उन्हें क्लाइंट के ऊपर भरपूर लाइव प्रैक्टिस का मौका मिलना चाहिए ताकि प्रोफेशनली काम करते वक्त उनका कांफिडेंस लूज न हो और हाथ-पांव भी न फूलें।

ऑन द स्पॉट सर्टीफिकेशन- कई बार ब्यूटी से संबंधित कोर्स करने के बाद भी एकेडमी से अपने डिप्लोमा अन्य किसी डिग्री का सर्टीफिकेट लेना एक टेढ़ी खीर बन जाता है, इसलिए जिस एकेडमी में टाइम के साथ ही सर्टीफिकेट दे दिया जाता हो, ऐसी एकेडमी को ही आप अपने लिए चुनें।

टाइम इज मनी- समय अनमोल है इसलिए आप अपने लिए ऐसी एकेडमी को चुन सकते हैं, जहां ब्यूटी, मेकअप व हेयर से संबंधित मल्टीपल कोर्सेज उपलब्ध हों और साथ ही साथ डिफरेंट-डिफरेंट बैचेस में क्लासेज की सुविधा भी हो। ऐसा होने से एक तो छात्रों को इधर-उधर भागना नहीं पड़ेगा साथ ही कम समय में ज्यादा कोर्सेज की नॉलेज भी मिलेगी।

दफ्तर में भी कर सकती हैं व्यायाम

घर और ऑफिस दोनों की जिम्मेदारी उठाने के चक्कर में महिलाएं अक्सर अपनी सेहत पर ध्यान नहीं दे पाती है ।स्वस्थ रहने के लिए घर कार्यस्थल पर भी व्यायाम करना जरूरी है, क्योंकि करीब एक तिहाई समय लोग ऑफिस में ही बिताते हैं ।सेहतमंद रहने के लिए जरूरी नहीं है कि सारी कोशिश घर पर ही की जाए। अगर सेहतमंद रहना है तो इस दिशा में आपको ऑफिस में भी प्रयास करना होगा।

घर से पोषणयुक्त खाना लेकर जाएं। ऑफिस में खाना न लाने की वजह से हम अकसर अधिक फैट, अधिक कैलोरी और अधिक नमक वाला फास्ट फूड भोजन करते हैं, जो सेहत की दृष्टि से हमारे लिए सही नहीं है। ऑफिस में अपने पास नाश्ते का कुछ हेल्दी विकल्प जैसे मेवा या फल आदि रखें। इसका फायदा यह होगा कि शाम के वक्त जब आपको भूख लगेगी तो कैंटीन से चिप्स या समोसा आदि मंगाकर खाने की जगह आपके पास खाने का हेल्दी विकल्प होगा और आप अनहेल्दी चीजें खाने पर काबू लगा पाएंगी। अपनी पानी की बोतल को हमेशा पास रखें, क्योंकि काम की आपाधापी में अकसर लोग पानी पीना भूल जाते हैं। कॉफी कम पिएं। दिन में तीन कप से अधिक कॉफी न पिएं।

ऑफिस में आठ घंटे लगातार बैठकर नौकरी करने की जगह अपनी शारीरिक सक्रियता पर भी ध्यान दें। दफ्तर में लिफ्ट का इस्तेमाल करने की बजाए सीढियों का प्रयोग करें। ऑफिस में अधिक से अधिक चलें ।लंच के दौरान दफ्तर के आसपास की बिल्डिग का चक्कर लगा लें। छोटे-छोटे काम के लिए किसी और पर निर्भर रहने की जगह ऑफिस में अपने सारे काम जैसे पानी या चाय लाना आदि खुद करने की कोशिश करें ।अपनी डेस्क से कुछ दूरी पर प्रिंटर रखें। इसी बहाने ऑफिस में आप अपनी सीट से कुछ वक्त के लिए उठ पाएंगी।

फोन और ई-मेल की जगह अपने सहयोगियों की सीट पर जाकर उनसे बात करें।

उपकरणों को पास रखें, इस बात के प्रति आश्वस्त हो जाएं कि ऑफिस के उपकरणों की वजह से आपकी सेहत पर कोई असर न पड़े। मॉनिटर की पोजीशन ऐसी हो कि आपको देखने में दिक्कत न आए। कीबोर्ड, माउस और फोन को अपने पास रखें ताकि ये आपकी पहुंच से दूर न हों। कुर्सी पर सीधे बैठें ताकि आपकी रीढ़ में हड्डी पर जोर न पड़े।

ऐसे बचें तनाव से- ऐसी चीजों को पहचानें, जिनकी वजह से आपको तनाव होता है और उन स्थितियों से बचने की कोशिश करें। तनावपूर्ण स्थितियों को नजरअंदाज न करें, जैसे सुबह का ट्रैफिक। अगर अपनी गाड़ी से ऑफिस जाने के दौरान आपको बहुत ज यादा ट्रैफिक मिलता है तो ऑफिस जाने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का प्रयोग करें। ऐसा करने से ट्रैफिक में फंसे होने के कारण आपको जो तनाव होता है, उससे आप बच पाएंगी। अगर किसी काम को करने से आप पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है तो उस काम को ना करें। किसी काम को करने से मना करने का असर आपकी इमेज पर नहीं पड़ेगा। पर हां, इसे अपनी आदत न बनाएं। कामकाजी और निजी जिदगी में तालमेल बनाएं। किसी एक के प्रभावित होने का असर दूसरे पर न पड़ने दें।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार-समाचार

बेटे ने पिता के ही बॉस को धमकाकर मांग ली फिरौती, अब पहुंचा सलाखों के पीछे

आगरा. शहर के एक सर्राफा कारोबारी ने आगरा पुलिस से शिकायत की थी कि उसे किसी ने फोन पर धमकी देकर फिरौती मांगी है. प्रदेश में बढ़ रही अपहरण की घटनाओं को लेकर सतर्क पुलिस ने तुरंत ही मामले की जांच शुरू कर दी. जांच में पता चला कि सर्राफा कारोबारी को फोन करने वाला कोई और नहीं बल्कि उसी की दुकान में काम करने वाले एक कर्मचारी का बेटा है. पुलिस ने फिलहाल उसे पकड़कर जेल में डाल दिया है.दोस्त का सिम चुराकर दी धमकी सर्राफा कारोबारी की शिकायत के मुताबिक उसे किसी ने फोन करके धमकी देकर फिरौती की मांग की. घबराए व्यापारी ने पुलिस में शिकायत की तो पुलिस तुरंत हरकत में आ गऊ. जिस नंबर से फोन आया था उसकी जांच पड़ताल की जाने लगी. जांच में पता चला कि फिरौती के लिए फोन प्रांशु नाम के युवक ने किया है. पुलिस ने जब उसे उठाकर पूछताछ की तो उसने कबूला की उसी ने फिरौती की मांग कारोबारी से की थी. प्रांशु ने इस काम के लिए अपने दोस्त का सिम गायब किया और उससे फोन करके धमकी दी. हालांकि उसकी ये चालाकी भी काम नहीं आई और अब वो सलाखों के पीछे है.12 साल से पिता सर्राफा कारोबारी के यहां करते हैं नौकरीप्रांशु ने जिस सर्राफा कारोबारी को फोन करके फिरौती मांगी थी, उसके पिता नरोत्तम सिंह उसी कारोबारी के यहां पिछले 12 सालों से काम कर रहे हैं. हालांकि उन्हें अपने बेटे की इस हरकत की भनक भी नहीं लगी. पर इस वारदात की उन्हें भनक भी ना लगी.

RJD ने आयोग को लिखा पत्र, पूछा- करोड़ों लोगों के जान की कीमत पर चुनावी रश्म कितना जरूरी

पटना. बिहार में आरजेडी के राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्धकी ने चुनाव आयोग को पत्र लिख राज्य में कोरोना संक्रमण की स्थिति से अवगत कराया है. उन्होंने चुनाव आयोग से सवाल पूछा कि क्या चुनाव आयोग बिहार में कोरोना संक्रमण की स्थिति को लेकर संतुष्ट है. इस पत्र के बारे में जानकारी देते हुए आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि उन्होंने पत्र के जरिए चुनाव आयोग से पूछा है कि यदि वे संतुष्ट हैं तो उसके कारण को आम जनता से साझा करें जिससे जनता भयमुक्त होकर चुनाव में भाग ले सकें. उन्होंने पत्र के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अब्दुल बारी सिद्धकी ने यह बात बताई है कि चुनाव के दिन करोड़ों लोग घर से बाहर निकलेंगे. जान की कीमत पर चुनाव का रस्म कितना जरूरी हैयदि मतदान के बाद कोई मतदाता संक्रमित हो जाता है और उसके साथ कोई अप्रिय घटना हो जाती है तो क्या चुनाव आयोग मतदाताओं का जीवन बीमा कराने के बारे में चिंतित हैआरजेडी नेता ने लिखा है कि बिहार में लगभग 13 करोड़ लोग हैं. लगभग साढ़े सात करोड़ मतदाता हैं. ऐसे में निर्वाचन आयोग चुनाव के दौरान मतदाताओं और चुनाव प्रबंधन में लगे लोगों के बीच 2 गज की दूरी किस तरह सुनिश्चित करेगी

MP: एक महीने में 3 गुना की रफ्तार से बढ़ गए कोरोना मरीज, राजधानी में बढ़ा ढाई गुना संक्रमण

भोपाल. मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है. स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पिछले एक महीने में राज्य में कोरोना संक्रमितों की संख्या में 3 गुना की बढ़ोतरी हुई है. वहीं, राजधानी भोपाल में इस एक महीने के दौरान ढाई गुना की रफ्तार से मरीजों की संख्या बढ़ी है.आंकड़ों के मुताबिक प्रदेश में 1 जून से 30 जून के बीच 5592 लोगों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है. जबकि 1 जुलाई से 30 जुलाई तक 17315 लोगों की रिपोर्ट कोविड-19 पॉजिटिव मिली है. प्रदेश में 1 जुलाई को 2625 एक्टिव मरीज थे. वहीं, 30 दिन बाद इनकी संख्या बढ़कर 8454 पहुंच गई.वहीं, भोपाल में 30 जून को 3090 मरीज थे. इनमें 1432 मरीज केवल जून माह में मिले थे. जबकि जुलाई में 3587 पॉजिटिव मरीज मिले हैं.

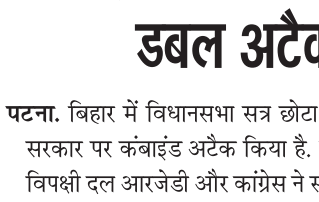

जयपुर: पानी पिलाने वाला विभाग पानी-पानी, दफ्तर की दीवारों में दौड़ रहा करंट

जलदाय विभाग ने लाखों-करोडों के कॉन्ट्रेक्ट कर प्रोजेक्ट बनाने में लगा है, लेकिन विभाग ने महीनों से खुद के दफ्तर की ही सुध नहीं ले रहा है.

जयपुर. जलदाय विभाग ने लाखों-करोडों के कॉन्ट्रेक्ट कर प्रोजेक्ट बनाने में लगा है, लेकिन विभाग ने महीनों से खुद के दफ्तर की ही सुध नहीं ले रहा है. शिकायते चीफ इंजीनियर से लेकर एक्सईएन स्तर पर पहुंच गई है, लेकिन इसके बावजूद भी पीएचईडी के अफसर आंखे मूंदकर बैठे है.छतों से टपकता पानी, दीवारों में दौडता करंट.ये तस्वीर किसी कबाडखाने के नहीं, बल्कि पीएचईडी के जवाहर नगर सबडिविजनल दफ्तर ही है, जहां इंजीनियर जनता की परेशानियों को दूर करते हैं. इस दफ्तर में हालत इतनी खराब है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है. ठेकेदारों ने छत को पूरी उधेड दी है,ऐसे में कभी भी ये दफ्तर गिर सकता है.पानी पिलाने वाले ये दफ्तर खुद पानी पानी हो रहा है. कर्मचारियों के साथ-साथ वहां पर बैठने वाले इंजीनियर भी इस हालत पर लाचार है. इसकी शिकायत एसी कमरों में बैठने वाले चीफ इंजीनियर सीएम चौहान और एडिशनल चीफ इंजीनियर देवराज सोलंकी को भी की जा चुकी है, लेकिन एक महीने बाद भी अब तक विभाग की आंखें नहीं खुली. एक्सईएन रवि दत्त कटारा ने तो अब तक ठेकेदार राजेश कंस्ट्रक्शन पर कार्रवाई भी नहीं की. जबकि इसी इलाके के एईन पूरी रिपोर्ट रवि दत्त कटारा को सौंप दी है, लेकिन इसके बावजूद भी अब तक ठेकेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है.ऐसे में पूरी बिल्डिंग जर्जर बनी हुई है. ऐसे में सबसे बडे सवाल ये उठते है कि आखिर कॉन्ट्रेक्टर की लावरवाही सामने आई है तो एक्सईएन साहब उस फर्म पर इतना मेहरबान क्यों.

इंदौर: वेब सीरीज के नाम पर मॉडल से धोखाधड़ी, वीडियो बनाकर डाला पॉर्न साइट पर

इंदौर.इंदौर में एक मॉडल को वेब सीरीज में काम दिलाने के नाम पर वीडियो बनाकर पोर्न साइट पर अपलोड करने का मामला सामने आया है. मॉडल की शिकायत पर साइबर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कर लिया है. इनमें 2 आरोपियों को साइबर पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया गया है, जबकि अन्य की तलाश में छापेमारी की जा रही है.इंदौर साइबर सेल के पुलिस अधीक्षक (SP) जितेंद्र सिंह ने बताया कि वेब सीरीज में काम दिलाने का झांसा देकर युवती का वीडियो पोर्न साइट पर अपलोड करने का मामला सामने आया है. मॉडल की शिकायत पर 2 मुख्य आरोपी बृजेंद्र और अंकित चावला को गिरफ्तार कर लिया गया है. बाकी के आरोपियों मिलिंद, सुनील जैन, अनिल त्रिवेदी, विजय नाथ पांडे और अजय गोयल रीजेंसी की तलाश की जा रही है.एसपी ने बताया कि फिल्म की शूटिंग इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र के किसी फॉर्म हाउस पर हुई थी. इन सभी ने फॉर्म हाउस को 25 हजार रुपए के किराए पर लिया था और इसी में इन्होंने फिल्म की पूरी शूटिंग की थी. शूटिंग पूरी होने के बाद आरोपियों ने पैसे के लालच में वीडियो को मुंबई में बैठे अशोक पांडेय को बेच दिया. अशोक अश्लील फिल्मों का धंधा करता है और उसने मॉडल की वीडियो पॉर्न साइट पर अपलोड कर दिया.

राम मंदिर भूमिपूजन से पहले सीएम योगी हुए भावुक, लिखा यह युग रामराज्य का है

लखनऊ. 5 अगस्त को होने जा रहे ऐतिहासिक राम मंदिर (Ram Mandir) भूमिपूजन कार्यक्रम को लेकर शासन और प्रशासन की ओर से तैयारियां अंतिम चरण में हैं. 5 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (PM Narendra Modi) राम मंदिर का भूमि पूजन करेंगे और इसकी आधारशिला रखेंगे. इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ (CM Yogi Adityanath) ने एक बेहद भावुक लेख लिखा है. इसमें उन्होंने भूमि पूजन को उल्लास, आह्लाद, गौरव एवं आत्मसंतोष का अवसर बताया है. सीएम योगी ने लिखा है कि श्रीराम के आदर्शों पर चलकर एक नए भारत का निर्माण हो रहा है और ये युग रामराज्य और मानवकल्याण का है. रामचरितमानस की चौपाई से लेख की शुरुआत सीएम योगी ने लेख की शुरुआत तुलसीदास की रचना श्रीरामचरितमानस की चौपाई से की है. उत्तर भारत में श्रीरामचरितमानस के हिंदू धर्म में काफी उच्च स्थान प्राप्त है. सीएम योगी लेख की शुरुआत इस तरह की है - श्री रामलला विराजमानजासु बिरहँ सोचहु दिन राती। रटहु निरंतर गुन गन पाँतीरघुकुल तिलक सुजन सुखदाता। आयउ कुसल देव मुनि त्राता सकल आस्था के प्रतिमान रघुनन्दन प्रभु श्रीराम की जन्मस्थली धर्मनगरी श्रीअयोध्या जी की पावन भूमि पर श्रीरामलला के भव्य और दिव्य मंदिर की स्थापना की प्रक्रिया गतिमान है.लगभग 5 शताब्दियों की भक्तपिपासु प्रतीक्षा, संघर्ष और तप के उपरांत, कोटि-कोटि सनातनी बंधु-बांधवों के स्वप्न को साकार करते हुए 5 अगस्त 2020 को अभिजीत मुहूर्त में मध्याह्न बाद 12.30 से 12.40 के बीच आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के कर-कमलों से श्री रामलला के चिरअभिलाषित भव्य-दिव्य मंदिर की आधारशिला रखी जाएगी.श्रीरामजन्मभूमि मंदिर को लेकर हुआ संघर्ष याद किया सीएम योगी ने राम मंदिर निर्माण के लिए सदियों के संघर्ष को याद करते हुए लिखा है - निस्संदेह यह अवसर उल्लास, आह्लाद, गौरव एवं आत्मसंतोष का है, सत्यजीत करूणा का है. हम भाग्यशाली हैं कि प्रभु श्रीराम ने हमें इस ऐतिहासिक घटना के साक्षी होने का सकल आशीष प्रदान किया है. भाव-विभोर कर देने वाली इस वेला की प्रतीक्षा में लगभग पांच शताब्दियां व्यतीत हो गईं, दर्जनों पीढियां अपने आराध्य का मंदिर बनाने की अधूरी कामना लिए भावपूर्ण सजल नेत्रों के साथ ही, इस धराधाम से परमधाम में लीन हो गईं. किंतु प्रतीक्षा और संघर्ष का क्रम सतत जारी रहा. वास्तव में दीर्घकालीन, दृढ़प्रतिज्ञ, संघर्षमय और भावमयी कारूणिक प्रतीक्षा की परिणति अंततः सुखद ही होती है.

आज वह शुभ घड़ी आ ही गई कि जब कोटि-कोटि सनातनी आस्थावानों के त्याग और तप की पूर्णाहुति हो रही है. मर्यादा के साक्षात प्रतिमान, पुरूषोत्तम, त्यागमयी आदर्शसिक्त चरित्र के नरेश्वर, अवधपुरी के प्राणपिय राजा श्रीराम आज अपने वनवास की पूर्णाहुति कर हमारे हृदयों के भावपूरित संकल्प स्वरूप सिंहासन पर विराजने जा रहे हैं.

सत्य ही कहा गया है, आस्था से उत्पन्न भक्ति की शक्ति का प्रताप अखंड होता है. श्रीरामजन्मभूमि मंदिर निर्माण में अवरोध विगत पांच शताब्दियों से सनातन हिंदू समाज की आस्थावान सहिष्णुता की कठोर परीक्षातुल्य था.

करीबी ही निकला DU के एग्जामिनर के घर में हुई डकैती का मुख्य आरोपी, 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली. देश की राजधानी दिल्ली में दिल्ली यूनिवर्सिटी (Delhi University) के एग्जामिनर और उसकी मां को पिस्तौल के बल पर बंधक बनाकर डकैती डालने वाले तीन बदमाशों को दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच (Crime Branch) ने गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया. आरोपियों के पास से तीन लाख 77 हजार रुपये की नकदी, डकैती के पैसों से खरीदा गया मोबाइल और चांदी का सिक्का बरामद किया गया है. आरोपियों की पहचान नेहरू विहार निवासी मोहम्मद चांद, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के लोनी निवासी जावेद और सलीम के रूप में हुई है. इसके अलावा बाकी फरार बदमाशों की पहचान की जा चुकी है, उनको भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा.क्राइम ब्रांच के डीसीपी राकेश पावेरिया ने बताया कि नेहरू विहार निवासी सुनील शर्मा ने बताया कि 26 जुलाई को पांच-छह लोगों ने उसे और उसकी बुजुर्ग मां को तमंचे के बल पर बंधक बनाकर उसके मोबाइल फोन, 14 लाख 25 हजार की नकदी, 35-40 तोला सोने के जेवरात और करीब 500 ग्राम चांदी के जेवरात लूट लिया. इस दौरान आरोपियों ने उसकी मां को घायल कर दिया. फिर दयालपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू की थी.वहीं क्राइम ब्रांच ने मौके का मुआयना करके सीसीटीवी फुटेज की जांच की. मामले में संदिग्धों की जानकारी जुटाकर सीडीआर की जांच की गई. 30 जुलाई को एसआई दीपक पांडे और अशोक को सूचना मिली कि आरोपी बदमाश लूटे हुए सामान को लेकर चांद बाग में आ रहे हैं. सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर विदेश सिंघल और विनोद अहलावत के नेतृत्व में टीम को चांद बाग के पास वजीराबाद रोड पर तैनात किया गया. यहां से पुलिस ने मोहम्मद चांद, जावेद और सलीम को पकड़ लिया.

रतलाम: एजेंट ने तय करवाई शादी, अगले दिन मिला दूल्हे का शव, दुल्हन भी फरार

- **रतलाम जिले के सैलाना थाने के सब-इंस्पेक्टर (SI) ने बताया कि बांसवाड़ा बाईपास मार्ग पर सड़क किनारे 29 जुलाई को महेंद्र कलाल नाम युवक का शव बरामद हुआ है. परिजनों ने शव की शिनाख्त कर ली है.**

रतलाम. मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में झूठी शादी का झांसा देने का फिल्मी मामला सामने आया है. शादी के दो दिन बाद ही दूल्हे का शव मिलने से पुलिस भी सख्ते में है. फिलहाल पुलिस मामले में स्नद्धक्रदर्ज कर शुरू कर दी है. वहीं, दूल्हे का शव भी पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.रतलाम जिले के सैलाना थाने के सब-इंस्पेक्टर (SI) ने बताया कि बांसवाड़ा बाईपास मार्ग पर सड़क किनारे 29 जुलाई को महेंद्र कलाल नाम युवक का शव बरामद हुआ है. परिजनों ने शव की शिनाख्त कर ली है. पुलिस के मुताबिक कलाल राजस्थान के घलकिया का निवासी है. पिछले कई वर्षों से वह कुवैत में इलेक्ट्रिशियन का काम कर रहा था.पुलिस ने कहा कि कलाल पिछले 7 महीनों से शादी के लिए घर आया था. लॉकडाउन के बाद वह अपनी शादी के लिए दुल्हन की तलाश करने लगा. जब परिजनों के माध्यम से बात नही बनी तो गांव घलकिया के एक शादी करवाने वाले एजेंट मुकेश ने धार की रहने वाली मीनाक्षी पुरोहित से उसकी शादी तय करवाई. इसके बाद मीनाक्षी के परिजन 26 जुलाई को महेंद्र के घर पहुंचे और परिवार को तय रकम 3 लाख रुपए देकर 27 जुलाई को शादी करवाई.पुलिस के मुताबिक इसके अगले ही दिन दुल्हन के परिजन दूल्हे कलाल को लेकर धार जिले के लिए रवाना हो गए. जब एक दिन बाद कलाल का फोन स्विच-ऑफ आया और दूल्हन के परिजनों से भी संपर्क नहीं हुआ तो परिवार के लोगों ने थाने में स्नद्धक्रदर्ज करवाई. इसी बीच कलाल का शव घर से 100 किलोमीटर दूर टी-शर्ट में मिला. फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है. जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा.दूल्हे के भाई नरेंद्र ने दुल्हन मीनाक्षी, उसके परिजनों और एजेंट पर झूठी शादी का झांसा देकर लूट करने वालों का गिरोह बताया. नरेंद्र ने कहा कि मीनाक्षी और उसका परिवार घर से 3 लाख रुपए नगदी और 12 तोला सोने के अभूषण भी लेकर फरार हुए हैं. वहीं, दूल्हन के परिजनों ने दूल्हे के परिजनों पर झूठा आरोप लगाया है.

बिहार: विधानसभा सत्र छोटा करने को लेकर विपक्ष का डबल अटैक, सरकार पर लगाया यह आरोप...

पटना. बिहार में विधानसभा सत्र छोटा करने को लेकर विपक्ष ने सरकार पर कंबाइंड अटैक किया है. इस पर बिहार के दो मुख्य विपक्षी दल आरजेडी और कांग्रेस ने सरकार पर आरोप लगाया है कि सरकार छोटा सत्र बुलाकर स्वास्थ्य और आपदा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जवाब देने से भाग रही है. इसका सीधा मतलब है कि सरकार अपनी नाकामी को छुपा रही है.आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सवालों से सरकार बौखलाई हुई है. एक तरह से राज्य सरकार कटघरे में है. राज्य में त्राहिमाम है और सरकार असली मुद्दे से मुंह मोड़ रही है.उन्होंने कहा कि विपक्ष सदन में सरकार को घेरेगी और सरकार को नेता प्रतिपक्ष के सवालों का जवाब देना होगा.इस मसले पर कांग्रेस प्रवक्ता राजेश राठौड़ ने कहा कि विधानसभा सत्र में आपदा जैसे विषय को कार्यसूची में ना डालना, यह बताता है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जनता के त्रासदी में उनके साथ नहीं हैं. जबकि अभी सबसे ज्यादा इसी की जरूरत थी.उन्होंने कहा कि बाढ़ और करोना संक्रमण जैसी जनता की विपत्तियों पर सबसे ज्यादा बातचीत करना आज की जरूरत थी. पहली बात तो विधानसभा सत्र अभी बुलाने की जरूरत नहीं थी. यदि बुलाया ही गया और छोटा सत्र है तो जनता के हित पर चर्चा करने से क्यों भाग रही है सरकार.कांग्रेस नेता ने कहा कि यदि जनता के मुद्दे पर चर्चा ही नहीं करनी है तो विधानसभा का सत्र बुलाया ही क्यों गया क्या सिर्फ कोरम पूरा करने के लिए सत्र बुलाया गया है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी पिछले 15 वर्षों से आप सिर्फ कोरम पूरा कर रहे हैं.

OMG! सोते समय पैंट में घुसा जहरीला कोबरा सांप, 7 घंटे तक खंभा पकड़कर खड़ा रहा युवक

मिर्जापुर. सांप (Snake) को देखते ही अकसर लोग घबरा जाते हैं. वहीं कुछ लोग बहादुरी दिखते हुए उन्हें पकड़ भी लेते हैं. लेकिन अगर सांप आपकी पैंट में घूस जाए तो क्या होगा इस बात की कल्पना मात्र से आप सिहर उठते हैं. एक ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश (Uttar Pradesh) के मिर्जापुर (Mirzapur) से सामने आया है जहां सोते समय एक युवक की पैंट में जहरीला कोबरा (Cobra) सांप घुस गया और युवक अपनी जान बचाने के लिए करीब 7 घंटे तक खंभा पकड़कर बिना हिले खड़ा रहा. मामला जमालपुर थाना क्षेत्र के सिकंदरपुर गांव का है जहां बाहर से काम करने आए एक मजदूर के जान पर तब बन आई जब एक जहरीला सांप सोते समय उसकी पैंट में घुस गया. दरअसल, बिजली के खंभे और तार लगाने का काम करने के बाद सभी मजदूर आंगलवाड़ी केंद्र में आराम कर रहे. इस दौरान रात में सोते समय एक मजदूर लवलेश कुमार की शर्ट के रास्ते एक जहरीला सांप उसके पैंट में घुस गया. जब युवक को इस बात का एहसास हुआ तो वह चुप-चाप वहीं एक खंभे को पकड़कर 7 घंटे तक खड़ा रहा.इस दौरान जहरीला सांप उसके जींस पैंट में बैठा रहा और उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया. सुबह होने के बाद स्थानीय लोगों ने पास के एक सपेरे को बुलाकर किसी तरह से सांप को युवक की पैंट से बाहर निकाला. तब जाकर युवक की जान बच सकी. गांव के रहने वाले लोगों का कहना है .

बिहार बाढ़ पीड़ितों को मिलेगा ग्रेच्युटी रिलीफ, अब तक 60000 लोगों को मिला इसका लाभ

पटना.बिहार सरकार के सूचना एवं जन-सम्पर्क सचिव अनुपम कुमार ने बताया कि कोविड-19 एवं बाढ़ की वर्तमान स्थिति से निपटने को लेकर सरकार लगातार पूरी नजर बनाए हुए है. सभी आवश्यक कार्रवाई भी की जा रही है. उन्होंने कहा कि सीएम ने सभी आला अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर बाढ़ की स्थिति का जायजा भी लिया.इसके बाद उन्होंने निर्देश दिए कि बाढ़ प्रभावित जिलों में जारी राहत एवं बचाव कार्य को तेजी से बढ़ाया जाए. वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से ही उन्होंने कम्यूनिटी किचेन एवं राहत शिविरों का निरीक्षण कर वहां आवासित लोगों से बातचीत की थी.

बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए अनुग्रह अनुदानमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया है कि बाढ़ राहत शिविर में रह रहे लोगों की एंटीजन टेस्टिंग कराई जाए और इसके लिए किट्स की आपूर्ति प्रभावित जिलों में बढ़ा दी जाए. ग्रेच्युट्स रिलीफ (अनुग्रह अनुदान) की राशि बाढ़ प्रभावित लोगों को शीघ्र दी जाए. इसके लिए काम प्रारम्भ कर दिया गया है. कल शाम तक 01 लाख लोगों को ग्रेच्युट्स रिलीफ की राशि देने का अनुमान था.पिछले दिनों निरीक्षण के समय तक करीब 60,000 लोगों को ग्रेच्युट्स रिलीफ की राशि दे दी गई थी, यह प्रक्रिया लगातार चल रही है. प्रभावित परिवारों को अनुग्रह अनुदान का भुगतान शीघ्र किया जा रहा है. इसके अलावा बाढ़ राहत शिविरों में आवासित लोगों को नि:शुल्क मास्क भी उपलब्ध कराया जा रहा है.क्वालिटी ऑफ ट्रीटमेंट पर सरकार का पूरा फोकसअनुपम कुमार ने बताया कि कोविड-19 संक्रमण को लेकर क्वालिटी ऑफ ट्रीटमेंट और बेड्स कैपिसिटी बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है ताकि लोगों को किसी प्रकार का दिक्कत न हो. स्वास्थ्य विभाग द्वारा पूरी मुस्तैदी के साथ सभी आवश्यक कार्रवाई की जा रही है. उन्होंने बताया कि लॉकडाउन अवधि से लेकर अभी तक 05 लाख 57 हजार योजनाओं के अंतर्गत 12 करोड़ 14 लाख से अधिक मानव दिवसों का सृजन किया जा चुका है. राशन कार्ड के वितरण का कार्य लगभग सभी जिलों में अब समाप्त हो गया है और एक दो जगहों पर जो अभी शेष है, उसका वितरण भी शीघ्र कर दिया जाएगा, इससे लोगों को काफी फायदा होगा.सचिव स्वास्थ्य लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना से पिछले 24 घंटे में 1,169 लोग स्वस्थ हुए हैं और अब तक 31,673 लोग कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ हो चुके हैं. इस प्रकार बिहार का रिकवरी रेट 65.98 प्रतिशत है. पिछले 24 घंटे में 20 हजार से अधिक सैंपल्स की हुई जांच29 जुलाई से अब तक कोविड-19 के 1,445 मामले प्रतिवेदित हुए हैं, जबकि 28 जुलाई एवं पूर्व के 637 कोरोना संक्रमण के नये मामले भी सामने आये हैं. वर्तमान में बिहार में कोविड-19 के 16,042 एक्टिव मरीज हैं. उन्होंने बताया कि पिछले 24 घंटे में 20,801 सैंपल्स की जांच की गई है और अब तक की गयी कुल जांच की संख्या 5,25,430 है.लोकेश कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक जिले में एक टॉल फ्री नम्बर होगा, जिसमें 10 हंटिंग लाइन होंगे और वहां पर चिकित्सकों तथा टेलिफोन ऑपरेट करने हेतु कर्मियों की नियुक्ति 24 घंटे की जाएगी. टॉल फ्री नम्बर पर कोई भी व्यक्ति कॉल कर स्वास्थ्य संबंधी परामर्श प्राप्त कर सकता है. चिकित्सीय परामर्श की हुई है व्यवस्थासाथ ही नियंत्रण कक्ष में पर्याप्त संख्या में एम्बुलेंस, कर्मी, किट्स भी उपलब्ध रहेंगे ताकि आवश्यकता पड़ने पर उस एम्बुलेंस को भेजकर लोगों को इलाज के लिए निर्धारित अस्पताल तक लाया जा सके.

स्वास्थ्य विभाग से आज यह आदेश निर्गत हो रहा है और यह अगले दो दिनों में कार्यान्वित हो जाएगा. इससे लोगों को चिकित्सकीय परामर्श मिलेगा. साथ ही उन्हें अस्पताल पहुँचने में किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी. उन्होंने बताया कि कल 20,801 सैंपल्स की जांच हुई है. इस प्रकार प्रतिदिन 20,000 से अधिक जांच करने का लक्ष्य अब प्राप्त किया जा चुका है.सरकारी निर्देशों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है पुलिस मुख्यालय के अपर पुलिस महानिदेशक जितेन्द्र कुमार ने बताया कि सरकार की ओर से 1 जुलाई से लागू अनलॉक-2 के तहत जारी गाइडलाइन्स का अनुपालन कराया जा रहा है. पिछले 24 घंटे में 10 कांड दर्ज किए गए हैं और 06 व्यक्तियों की गिरफ्तारी हुई है.

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीन ने स्वदेशी नेवीगेशन उपग्रह प्रणाली की शुरु, अमेरिकी GPS को देगी टक्कर

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने शुक्रवार को देश के स्वदेशी बेइदोऊ नेवीगेशन सैटेलाइट सिस्टम की आधिकारिक शुरुआत की जो अमेरिकी ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (GPS) को टक्कर दे सकता है और इससे चीन की सुरक्षा के साथ ही भू-राजनीतिक दबदबा बढ़ सकता है। चीन में सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी एवं पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (PLA) के नेता शी जिनपिंग ने बीजिंग में ग्रेट हॉल ऑफ द पीपुल में एक समारोह में बेइदोऊ नेवीगेशन सैटेलाइट सिस्टम की आधिकारिक शुरुआत की। इससे पहले घोषणा की गई थी नेवीगेशन सैटेलाइट सिस्टम के लिए 23 जून को प्रक्षेपित 55वें एवं अंतिम उपग्रह ने सभी परीक्षणों के बाद काम करना शुरू कर दिया है। यह उपग्रह बेइदोऊ नेवीगेशन सैटेलाइट सिस्टम का हिस्सा है जिसे BDS-3 के तौर पर जाना जाता है। इसके तहत 2018 में उन देशों को नेवीगेशन सेवाएं मुहैया कराये जाने की शुरूआत की गई थी जो चीन के महत्वाकांक्षी 'बेल्ट एंड रोड' (BRI)परियोजना में शामिल हैं। यह प्रणाली अत्यंत सटीकता के साथ नेविगेशन में सहायता प्रदान करती है। चीन का कहना है कि वह अन्य उपग्रह नेवीगेशन प्रणालियों के साथ सहयोग करना चाहता है लेकिन बेइदोऊ की अंततः प्रतिस्पर्धा अमेरिकी जीपीएस, रूस के जीएलओएनएएसएस और यूरोपीय संघ के गैलीलियो नेटवर्क से हो सकती है। इससे चीन को मुख्य लाभ यह होगा कि वह अपनी मिसाइलों को निर्देशित करने के लिए जीपीएस के बदले अपने नेवीगेशन प्रणाली का इस्तेमाल कर सकता है, यह विशेष तौर अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के मद्देनजर महत्वपूर्ण है।

अमेरिका में कोरोना संक्रमण का स्तर दूसरी बार चरम पर, टेंशन में वैज्ञानिक

न्यूयॉर्क:
अमेरिका में कोरोना वायरस के कारण मरने वालों की संख्या जहां तेजी से बढ़ रही है, वहीं जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ के पास यह अच्छी खबर है कि संक्रमण के मामलों में आया दूसरा उछाल अब स्थिर स्तर पर पहुंचता प्रतीत हो रहा है। जानकारी के अनुसार अमेरिका में कोरोना संक्रमण का स्तर दूसरी बार चरम पर जिससे कुछ वैज्ञानिक टेंशन में हैं और उनमें इसे लेकर किसी भी तरह का संतोष नहीं है। उन्होंने आगाह किया है यह रूझान चार बड़े शहरों - एरिजोना, कैलिफोर्निया, फ्लोरिडा और टेक्सास में ही प्रमुता से दिख रहा है जबकि करीब 30 राज्यों में मामले बढ़ रहे हैं। वहीं प्रकोप का केंद्र 'सन बेल्ट' (अमेरिका का दक्षिणी हिस्सा) से मध्यपश्चिम की तरफ सरकता प्रतीत हो रहा है। कुछ विशेषज्ञों को इस बात की चिंता है कि क्या मामलों में दिख रहा सुधार टिका रह पाएगा। यह भी साफ नहीं है कि मौत के मामले कब घटेंगे। कोविड-19 से होने वाली मौत संक्रमण के कर्व के ठीक साथ-साथ घटती- बढ़ती नहीं हैं और इसका कारण यह है कि वायरस से बीमार पड़ने और मरने में हफ्तों लग सकते हैं। सरकार के शीर्ष संक्रामक रोग विशेषज्ञ डॉ एंथनी फाउची ने कहा, 'भविष्य क्या होगा? मेरे हिसाब से इसका अनुमान लगाना बहुत कठिन है।' वायरस के कारण अमेरिका में अब तक 1,50,000 लोगों की मौत हो चुकी है जो विश्व में सबसे ज्यादा है। पिछले हफ्ते से, अमेरिका मे कोविड-19 से हर दिन औसतन 25 प्रतिशत मौत के मामले बढ़े हैं, 843 से 1,057। फ्लोरिडा मे बृहस्पतिवार को 253 लोगों की मौत हुई जबकि टेक्सास में 322 और कैलिफोर्निया में 391 लोगों ने इस बीमारी के कारण दम तोड़ दिया। देश भर में संक्रमण के मामले 44 लाख के पार हैं जो जांच की सीमा तथा कुछ लोगों मे लक्षण न दिखने के कारण और ज्यादा हो सकते हैं।

हांगकांग में एक साल तक टले चुनाव, कोरोना वायरस के चलते लिया फैसला

हांगकांग:

हांगकांग की नेता कैरी लाम ने शुक्रवार को घोषणा की कि सरकार कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से फैलने के मद्देनजर बहुप्रतीक्षित विधान परिषद चुनावों को एक साल के लिए स्थगित करेगी। हांगकांग सरकार चुनाव स्थगित करने के लिए आपातकालीन अध्यादेश लागू कर रही है। लाम ने कहा कि इस निर्णय में उन्हें चीन सरकार का समर्थन प्राप्त है। लाम ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''मुझे आज जो घोषणा करनी पड़ी है, वह मेरे लिए पिछले सात महीने में सबसे मुश्किल फैसला था।'' उन्होंने कहा कि लोगों का स्वास्थ्य, उनकी सुरक्षा और चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित करने की आवश्कता है। चुनाव स्थगित किए जाने का फैसला लोकतंत्र समर्थक विपक्ष के लिए बड़ा झटका है। विपक्ष इस चुनाव में चीनी समर्थकों से जनता का मोहभंग होने का लाभ उठाने की आस लगाए बैठा था। इस घोषणा से पहले 22 नेताओं ने एक बयान जारी करके सरकार पर आरोप लगाया था कि वह चुनाव में देरी करने के लिए संक्रमण का बहाना बना रही है। हांगकांग में शुक्रवार तक कोरोना वायरस संक्रमण के 3,273 मामले सामने आ चुके हैं।

चीन ने US यूनिवर्सिटी से कोरोना वैक्सीन रिसर्च चुराने का किया प्रयास, FBI कर रही जांच

वाशिंगटन: कोरोना वायरस और दक्षिण चीन सागर को लेकर अमेरिका और चीन के बीच खींचतान बढ़ती जा रही है। इस बीच अमेरिका ने चीन पर कोरोना वैक्सीन रिसर्च चुराने का आरोप लगाया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार इस संबंध में जांच कर रही फैड्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टीगेशन (FBI) एजेंसी ने कोरोना वैक्सीन को लेकर अच्छे नतीजों पर पहुंच रही टेक्सास विश्वविद्यालय से संपर्क किया है। आरोप है कि ह्यूस्टन में चीनी वाणिज्य दूतावास ने इस तरह का शोध प्राप्त करने की मांग की थी। अमेरिका ने हाल ही में चीन को जासूसी के आरोपों को लेकर ह्यूस्टन में अपने महावाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दिया था। इस पर चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिका को चेंगदू में अपने महावाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दे दिया। रिपोर्ट के अनुसार, टेक्सास विश्वविद्यालय ने सोमवार को एक ई-मेल में संकाय और अनुसंधान कर्मचारियों को बताया कि उसे स्न्नक्ष्ठ द्वारा पिछले सप्ताह जांच के बारे में सूचित किया गया था। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने ई-मेल के हवाले से लिखा-FBI एजेंट विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं से वाणिज्य दूतावास की कथित भूमिका और 'कोरोना वायरस वैक्सीन शोध' सहित अमेरिकी विश्वविद्यालयों से अवैध रूप से शोध हासिल करने के लिए चीनी सरकार द्वारा किए गए प्रयासों की कथित भूमिका के बारे में संपर्क करेंगे। अमेरिका ने यह भी आरोप लगाया था कि चीनी दूतावास वर्षों से बड़े पैमाने पर अवैध जासूसी और चीनी प्रभाव स्थापित करने में लगा हुआ है।

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में अब 300 लोगों को कोरोना टेस्टिंग के लिए टीके लगाएंगे वैज्ञानिक

लंदन: इंपीरियल कॉलेज लंदन के वैज्ञानिकों ने कहा कि वे कोरोना वायरस से प्रतिरक्षण के लिए सैकड़ों लोगों को प्रयोग्यात्मक टीका लगाएंगे। टीके के अभी तक के परीक्षणों में इसके स्वास्थ्य के लिए हानिकारक ना होने की बात सामने आने के बाद यह कदम उठाया जा रहा है। कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. रॉबिन शैट्टॉक ने 'एपी' को बताया कि उन्होंने और उनके सहकर्मियों ने टीके की कम खुराक पहले कुछ लोगों को दी, जिसके बाद अब वे करीब 300 लोगों को यह टीका लगाएंगे। उन लोगों में से कुछ की उम्र 75 साल से अधिक है। उन्होंने कहा, '' इसका कोई हानिकारक प्रभाव नहीं है।' इंपीरियल में टीके संबंधी अनुसंधान का नेतृत्व कर रहे शैट्टॉक ने कहा कि हम अब भी इस पर अध्ययन कर रहे हैं। वह अक्टूबर में कई हजार लोगों को टीका लगाने के लिए पर्याप्त सुरक्षा डेटा हासिल करना चाहते हैं। शैट्टॉक ने कहा कि ब्रिटेन में कोविड-19 के मामलों में अचानक से कमी आने के कारण, टीका काम करेगा या नहीं इसका यहां पता लगाना मुश्किल हो गया है, इसलिए वह और उनका दल अब कहीं और टीके का परीक्षण करेगा।

हांगकांग में सोशल मीडिया पर 'अलगावादी' पोस्ट डालने वाले 4 छात्र कार्यकर्ता गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्कः हांगकांग में पुलिस ने नए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत सोशल मीडिया पर अलगाववादी पोस्ट डालने पर संदिग्ध अलगाववादी अपराधों के लिए एक छात्र-नेतृत्व समर्थक स्वतंत्रता समूह के 4 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। हालांकि पुलिस ने समूह या गिरफ्तार लोगों का नाम बताने से इंकार कर दिया, लेकिन राजनीतिक समूह स्टूडेंटोकेलिज्म ने फेसबुक पर कहा कि इसके सदस्य उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने पूर्व नेता टोनी चुंग का नाम लिया था। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन पुरुष और एक महिला हैं, जिनकी उम्र 16 से 21 के बीच है। एक संवाददाता सम्मेलन में पुलिस प्रवक्ता ली क्वै-वाह ने कहा कि संगठन ने 'एक नई पार्टी की स्थापना के बारे में पोस्ट किया था जो सोशल मीडिया पर हांगकांग की स्वतंत्रता की वकालत करता है।' पुलिस ने कहा कि चारों की सुरक्षा कानून के अनुच्छेद 20 और 21 के तहत जांच की जा रही है, जो कि अलगाव से निपटते हैं। कानून के तहत, 'गंभीर प्रकृति' के अलगाववादी अपराधों के परिणामस्वरूप कम से कम 10 साल और आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है, जबकि कम अपराध में तीन से 10 साल की सजा हो सकती है। गौरतलब है कि रविवार को, इस छात्र समूह ने 'काउंटर चाइनीज राष्ट्रवाद, हांगकांग राष्ट्रवाद का निर्माण' शीर्षक से एक पोस्ट शेयर की थी । समूह का यूएस पेज कहता है कि वे 'हांगकांग के नागरिकों को आत्मनिर्णय के हमारे अधिकार को पुनः प्राप्त करने के मार्ग को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है, और स्वतंत्रता के प्रति हांगकांग के मार्ग को आगे बढ़ाएगा।' हांगकांग सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक कानून का बचाव किया है, और वादा किया है कि यह केवल बहुत कम लोगों को प्रभावित करेगा। बुधवार तक, पुलिस ने नए कानून के तहत लगभग 10 गिरफ्तारियां की थीं और एक व्यक्ति को आरोपित किया है।

अमेरिका- बेरोजगारी भत्ते में एक हफ्ते के विस्तार का प्रस्ताव विपक्ष ने खारिज किया

वाशिंगटन, कोविड-19 महामारी के दौरान अर्थव्यवस्था को सुचारू रखने तथा परिवारों के भरणपोषण में मदद देने के लिए 600 डॉलर की साप्ताहिक बेरोजगारी भत्ता में व्हाइट हाउस ने बृहस्पतिवार को कम अवधि के विस्तार का प्रस्ताव दिया। डेमोक्रेट नेताओं ने इस कदम को खारिज करते हुए कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टीम संकट की गहराई को समझ नहीं पाई है। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने ज्यादा व्यापक विधेयक का दबाव बनाने की मंशा जाहिर की है, ऐसा विधेयक जो राज्य तथा स्थानीय सरकारों को सहायता देने से जुड़ा हो तथा वैश्विक महामारी के दौर में गरीबों को मदद तथा स्कूलों एवं कॉलेजों को वित्त पोषण देने की बात करता हो।बेरोजगारी आर्थिक सहायता की अवधि 31 जुलाई को खत्म होने वाली थी। सीनेट डेमोक्रेट सदस्य चक शुमेर ने कहा, ''वे कुछ मामूली सा करना चाहते हैं लेकिन उससे समस्या हल नहीं होगी।''प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी ने कहा, ''एक विधेयक आना चाहिए लेकिन उन्हें यह अंदाजा नहीं है कि यह कितना बड़ा होना जरूरी है।'' ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा था कि बेरोजगारी सहायता में हम अस्थायी विस्तार चाहते हैं, इससे वैश्विक महामारी के दौरान बेरोजगार हो चुके अमेरिकियों को आवश्यक मदद मिलेगी।''

यूएसएस इंडियानापोलिस के चालक दल को कांग्रेस का शीर्ष सम्मान प्रदान किया गया

वाशिंगटन, अमेरिकी कांग्रेस ने यूएसएस इंडियानापोलिस पोत के चालकदल के जीवित सदस्यों को कांग्रेसनल गोल्ड मेडल से सम्मानित किया है। यह कांग्रेस का सबसे बड़ा सम्मान है।इस पोत ने पहले परमाणु बम के प्रमुख हिस्सों को पहुंचाने का काम किया था जिसे बाद में जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान डूबा दिया था। इस पोत पर 1,195 जवान सवार थे और इसने संवर्धित यूरेनियम और परमाणु बम 'लिट्ल बॉय' के हिस्से को पहुंचाया था, जिसे जापान के हिरोशिमा के ऊपर गिराया गया था। गुप्त मिशन पूरा करने के चार ही दिन बाद 30 जुलाई, 1945 को जापानी टारपीडो ने इसे डूबा दिया। उस वक्त पोत फिलिपीन समुद्र में था। करीब पांच दिन बाद समुद्र से 316 लोगों को जिंदा बचा लिया गया। मृतकों की संख्या 879 थी जो कि अमेरिका नौसेना के इतिहास में समुद्र में सबसे बड़ी दर्दनाक घटना थी।जीवित बचे लोग कुछ जीवनरक्षक नौकाओं के सहारे समुद्र में थे और उनके पास खाने और पीने के लिए कुछ नहीं था। वे शार्क के हमले, गहरे जख्मों और शरीर में पानी की कमी की परेशानी से जूझ रहे थे।गोल्ड मेडल पोत के जीवित और मृत सभी चालक दल के सदस्यों को दिया गया है और इसे इंडियानापोलिस में युद्ध स्मारक संग्राहलय में रखा जाएगा।

'पानी से पूरी तरह मर सकता है कोरोना', रूसी वैज्ञानिकों की स्टडी

नेशनल डेस्क: कोरोना वायरस से बचने के लिए हाथों की साफ सफाई, सोशल डिस्टेंसिंग और मास्क को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। कोरोना से बचने के लिए हाथों को बार-बार साबुन से धोने के लिए कहा जा रहा है। वहीं रूस के वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि कोरोना पानी से पूरी तरह खत्म हो जाता है। स्टेट रिसर्च सेंटर ऑफ वायरोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी वेक्टर ने यह स्टडी की है। इस स्टडी में वैज्ञानिकों ने दावा किया कि पानी कोरोना को 72 घंटों के अंदर लगभग पूरी तरह से खत्म कर सकता है। वैज्ञानिकों ने दावा किया कि 90 फीसदी वायरस के कण 24 घंटे और 99.9 फीसदी कण कमरे के सामान्य तापमान पर रखे पानी में मर जाते हैं। स्टडी के मुताबिक उबलते पानी के तापमान पर कोरोना पूरी तरह से और तुरंत मर जाता है। हालांकि कुछ स्थितियों में वायरस पानी में रह सकता है, लेकिन यह समुद्र या ताजे पानी में नहीं बढ़ता।

एक जगह ज्यादा देर नहीं रहता कोरोना

वैज्ञानिकों ने दावा किया कि कोरोना स्टेनलेस स्टील, लिनोलियम, कांच, प्लास्टिक और सिरेमिक सतह पर 48 घंटे तक सक्रिय रहता है। वहीं शोध में कहा गया कि वायरस एक जगह टिककर नहीं रहता और ज्यादातर घरेलू कीटाणुनाशक इसे खत्म करने में प्रभावी होते हैं।

आधे मिनट में कोरोना पर मार

स्टडी के मुताबिक 30 फीसदी कॉन्सन्ट्रेशन के एथिल और आइसोप्रोपाइल अल्कोहल (Ethyl and Isopropyl Alcohol) आधे मिनट में वायरस के एक लाख कणों को मार सकते हैं। नई स्टडी पिछले उन दावों को खारिज करती है जिसमें कहा गया था कि वायरस को खत्म करने के लिए 60 फीसदी से ज्यादा कॉन्सन्ट्रेशन वाले अल्कोहल की जरूरत होती है। वहीं नई स्टडी के मुताबिक सतह को कीटाणुमुक्त करने में क्लोरीन भी काफी कारगर साबित हुआ है और क्लोरीन से डिसइंफेक्ट करने पर Sars-CoV-2 30 सेकंड के भीतर पूरी तरह से नष्ट हो जाते हैं। बता दें कि इससे पहले रूस ने कोरोना की वैक्सीन बनाने के दावा किया है। रूस के मुताबिक गेमालेया इंस्टीट्यूट ने यह वैक्सीन तैयार की है और 15 अगस्त तक लोगों को उपलब्ध करा दी जाएगी। दुनियाभर में कोरोना के सवा करोड़ से ज्यादा केस है और लाखों लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में भी कोरोना केस 16 लाख के पार चले गए हैं वहीं 37 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

ट्रंप ने वापस लिया चुनाव टालने का सुझाव, जताई थी गड़बड़ी की आशंका

वाशिंगटन:

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों को कथित धोखाधड़ी की चिंताओं के चलते टालने संबंधी अपने सुझाव को तुरंत वापस ले लिया है। उन्हें इस मुद्दे पर शीर्ष रिपब्लिकन नेताओं से भी समर्थन नहीं मिला। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव नवंबर में होने हैं। दूसरे कार्यकाल के लिए उम्मीदवार ट्रंप डेमोक्रेटिक प्रत्याशी और पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन से कड़े मुकाबले का सामना कर रहे हैं जो कई प्रमुख चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में ट्रंप से आगे माने जा रहे हैं। अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तारीख वैधानिक रूप से नवंबर के महीने में पहले सोमवार के बाद पड़ने वाले मंगलवार की नियत होती है। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को पहली बार नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनावों को टालने की बात खुलकर की थी। उन्होंने डाक से मतदान में गड़बड़ी की आशंका जताई थी। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने फौरन उनके इस सुझाव की आलोचना की। ट्रंप को अपनी ही रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं से भी इस मुद्दे पर समर्थन नहीं मिला। बाद में ट्रंप ने अपने सुझाव को वापस ले लिया। उन्होंने चुनाव टालने के सुझाव वाले ट्वीट के बारे में पूछे जाने पर संवाददाताओं से कहा, ''मैं देरी नहीं चाहता। मैं चुनाव चाहता हूं। लेकिन मैं यह भी नहीं चाहता कि तीन महीने इंतजार करने के बाद पता चले कि मतदान का कोई मतलब ही नहीं है।'' ट्रंप ने चुनाव से केवल 96 दिन पहले बृहस्पतिवार को ट्वीट किया था, ''सभी के लिए डाक से मतदान (न कि गैर-मौजूदगी में डाक से मतदान, जो कि अच्छा है) इतिहास में सबसे गलत और छलपूर्ण चुनाव होगा।'' उन्होंने ट्वीट किया, ''यह अमेरिका के लिए बड़ी शर्मनाक बात होगी। लोग जब सही तरीके से और सुरक्षित मतदान कर सकें, तभी चुनाव कराये जाएं।'' व्हाइट हाउस में दोबारा पहुंचने की जद्दोजहद में लगे ट्रंप ने दलील दी कि डाक से मतदान (मेल-इन वोटिंग) से चुनाव में गड़बड़ी हो सकती है। वह इसके मुखर विरोधी रहे हैं। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा कि डाक मतपत्रों की गिनती में और चुनाव नतीजों में देरी होगी। डेमोक्रेट्स कोविड-19 महामारी के दौरान बड़ी संख्या में मतदाताओं के मतदान केंद्रों तक जाने और कतारों में लगने से बचने के लिए डाक से मतदान कराने पर जोर दे रहे हैं।

यांगून मेगा प्रोजेक्ट पर म्यांमार का चीन को करारा झटका

इंटरनेशनल डेस्क: म्यांमार ने एक बड़े प्रोजैक्ट में चीन को करारा झटका दिया है । म्यांमार ने चीन की सबसे महत्वकांशी व प्रमुख बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) के हिस्सा यांगून मेगा सिटी प्रोजेक्ट में अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों को शामिल करने का फैसला किया है। म्यांमार के इस निर्णय को चीन के खिलाफ बड़ा कदम बताया जा रहा है। म्यांमार सरकार ने यांगून मेगा सिटी प्रोजेक्ट चीन संचार निर्माण कंपनी (CCCC) के अलावा अन्य विदेशी फर्मों के लिए परियोजना के द्वार खोलने का ऐलान कर दुनिया को चौंका दिया है । जानकारी के अनुसार म्यांमार का मानना है कि चीन इस प्रोजेक्ट को पूरा करने में उत्सुकता नहीं दिखा रहा है । हालांकि इस साल की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की म्यांमार यात्रा के दौरान, दोनों पक्षों ने यांगून शहर के विकास और इस मेगा प्रोजेक्ट को लेकर एक पत्र पर हस्ताक्षर भी किए थे । खास बात यह है कि न्यू यांगून सिटी परियोजना चीन म्यांमार आर्थिक गलियारा शी जिनपिंग के महत्वाकांक्षी बेल्ड एंड रोड अभियान का ही अंग है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस प्रोजेक्ट में काम कर रही चीनी राज्य के स्वामित्व वाली CCCC कंपनी पर अफ्रीका और एशिया में कम से कम 10 देशों में विकास सौदों से संबंधित भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा मलेशिया में पूर्व प्रधान मंत्री के बड़े भ्रष्टाचार घोटाले में इस कंपनी के शामिल होने का आरोप लगाया गया है। बता दें कि शी जिनपिंग दोनों देशों के राजनयिक रिश्तों की 70वीं वर्षगांठ पर म्यांमार आए थे और इस दौरान म्यांमार की शीर्ष नेता आंग सान सू ची के साथ मिलकर चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे के तहत कई परियोजनाओं को शुरू करने पर सहमति जताई थी।

ऑस्ट्रेलिया ने LAC विवाद पर भारत को सराहा, द. चीन सागर पर चीन का दावा ठुकराया

सिडनी:

दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन चारो तरफ से घिरता जा रहा है। दक्षिण चीन सागर में चल रहे तनाव के बीच अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की नेवी ने संयुक्त गश्त शुरू किया है। अमेरिका के दो एयरक्राफ्ट कैरियर इस इलाके में लगातार गश्त कर रहे हैं। अमेरिका पिछले कुछ दिनों में दो बार दक्षिण चीन सागर में अभ्यास कर चुका है। इस बीच भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त ने भारत और चीन के बीच सीमा विवाद के साथ ऑस्ट्रेलिया और भारत के संबंधों, दोनों देशों के बीच व्यापार और कोरोना वायरस की स्थिति आदि पर अपने विचार साझा किए। ऑस्ट्रेलियाई राजदूत ने चीन के साथ सीमा विवाद में जहां भारत के रुख को सराहा तो कोरोना से जंग में भी भारत के प्रयासों की तारीफ की। दूसरी ओर दक्षिण चीन सागर में चीन की कार्रवाइयों को अवैध बताते हुए उन्होंने समुद्र क्षेत्र पर चीन के दावे को खारिज किया। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल ने गुरुवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर संयम बरतने की अपील करता है और तनाव कम करने के लिए डी-एस्केलेशन को लेकर भारत के प्रयासों का समर्थन करता है। उन्होंने कहा, 'आज विदेश मंत्री की बैठक में मैंने उन्हें बताया कि ऑस्ट्रेलिया तनाव और अस्थिरता बढ़ाने वाले किसी भी एकतरफा कार्रवाई के प्रयास का विरोध करता है।' फैरेल ने कहा, 'यह जरूरी है कि द्विपक्षीय रूप से जिन सिद्धांतों और शर्तों पर सहमति जताई गई है, उनका पालन जारी रहना चाहिए। ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने कहा, ऑस्ट्रेलिया दक्षिण चीन सागर पर चीन के दावे को खारिज करता है। उन्होंने कहा कि हम दक्षिण चीन सागर में हो रही गतिविधियों को लेकर चिंतित हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन की गतिविधियों को लेकर फैरेल ने कहा, 'पिछले सप्ताह, ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण चीन सागर पर चीन के अवैध दावे को मानने से इनकार करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासचिव के साथ एक नोट जारी किया था। ये गतिविधियां अस्थिरता को जन्म देने वाली हैं। हमने इस नोट में उसी का हवाला दिया जो हमने साल 2016 के ट्रिब्यूनल के बाद कहा था जिसमें चीन के दावे को खारिज कर दिया गया था।' ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त ने कहा कि भारत आत्मनिर्भर बनना चाहता है और व्यापार बढ़ाना चाहता है। हम भारत के साथ सहयोग करने के लिए और दोनों देशों के बीच निवेश बढ़ाने के लिए तत्पर हैं। भारत कई कारणों से आकर्षण का केंद्र बना है। हम स्पष्ट रूप से देख रहे हैं कि भारत में आर्थिक सुधार लाने और निवेश आकर्षित करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। भारत में कोरोना वायरस महामारी पर नियंत्रण को लेकर फैरेल ने कहा, 'भारत के सही समय पर लिए गए निर्णायक फैसलों ने, खास तौर पर लॉकडाउन के शुरुआती चरण में, साफ तौर पर कई जिंदगियां बचाईं। भारत ने लॉकडाउन का इस्तेमाल कोविड अस्पतालों की संख्या, आइसोलेशन बेड और अपनी जांच क्षमताओं को बढ़ाने के साथ पूरी स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करने में किया।'

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आशीष भाटिया बने गुजरात के नए पुलिस महानिदेशक

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद के पुलिस आयुक्त आशीष भाटिया को गुजरात का नया पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया है। 1985 की बैच के आईपीएस अधिकारी आशीष भाटिया राज्य के पुलिस महानिदेशक शिवानंद झा की जगह लेंगे।

वर्ष 2018 में मुख्य प्रभारी पुलिस महानिदेशक प्रमोद कुमार के निवृत्त होने पर शिवानंद झा को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया था। अप्रैल 2016 में नियमित पुलिस महानिदेशक पीसी ठाकुर को केन्द्र में प्रतिनियुक्ति पर भेजा गया था। जिसके बाद पीपी पांडेय, गीथा जौहरी और प्रमोद कुमार को प्रभारी पुलिस महानिदेशक बनाया गया था। प्रमोद कुमार के बाद शिवानंद झा गुजरात के पुलिस महानिदेशक नियुक्त किया गया। शिवानंद झा शुक्रवार को निवृत्त हो गए और आशीष भाटिया शनिवार को गुजरात के पुलिस महानिदेशक का पदभार संभालेंगे। आशीष भाटिया को पुलिस महानिदेशक नियुक्त किए जाने के बाद अब जल्द ही अहमदाबाद के नए पुलिस आयुक्त के नाम का ऐलान किया जाएगा।

बता दें कि गुजरात सरकार के गृह विभाग ने राज्य के नए पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति के लिए केन्द्र सरकार को सूची भेजी थी। जिसमें आशीष भाटिया के नाम पर केन्द्र सरकार ने मुहर लगाई है। वर्ष 1985 बैच के आईपीएस अधिकारी आशीष भाटिया की जन्म भूमि हरियाणा है। इंजीनियरींग की पढ़ाई के बाद वे इंडियन पुलिस सर्विस से जुड़ गए और गुजरात काडर में सेवा करने लगे। शांत प्रकृति के अधिकारी माने जाते आशीष भाटिया को वर्ष 2001 में पुलिस मेडल और 2011 में राष्ट्रपति पदक से सम्मानित किया जा चुका है। पुलिस विभाग में आशीष भाटिया को प्रिवेन्शन ऑफ क्राइम का मास्टर माना जाता है। अब तक उन्होंने जिन पदों पर काम किया है, उससे सभी अधिकारी संतुष्ट रहे हैं और उनके साथ काम करने के समय गौरवपूर्ण मानते हैं। वर्ष 2008 में अहमदाबाद में हुए सीरियल ब्लास्ट की जांच करनेवाले आशीष भाटिया पहले अधिकारी हैं, जिन्होंने इंडियन मुजाहिद्दीन मोड्युल का पर्दाफाश किया था। आशीष भाटिया 2016 में सूरत के पुलिस आयुक्त रह चुके हैं।

चीनी उत्पादों के बहिष्कार के लिए सूरत के रेस्टोरंट का अनोखा अभियान

क्रांति समय सुरत

सूरत , लद्दाख की गलवान घाटी की घटना को लेकर देशभर में चीन के खिलाफ जबर्दस्त आक्रोश है और लोग चीन के उत्पादों का बहिष्कार कर रहे है। सूरत के एक रेस्टोरंट ने अनोखा अभियान शुरु किया है। इस अभियान के तहत पार्सल लेने आता व्यक्ति यदि सैनिक राहत कोष में योगदान देता है तो उसे रेस्टोरंट की ओर से खास टी शर्ट दी जाती है। जिसमें लिखा है ''चीन के माल का बहिष्कार करो'' यह मैसूर काफे नामक रेस्टोरंट सूरत के अठवालाइन क्षेत्र में है। रेस्टोरंट में ''सैनिक राहत कोष'' रखा है, जिसमें पार्सल लेने वाले ग्राहक द्वारा अपनी यथाशक्ति योगदान देने पर उसे मुफ्त में एक टी शर्ट दी जाती है। राहत कोष में दान कम हो ज्यादा, लेकिन रेस्टोरंट ग्राहक को टी शर्ट जरुर देता है। टी शर्ट के पीछे लिखा है ''चीन के माल का बहिष्कार करो''। रेस्टो. रंट के मालिक प्रभात शेट्टी का कहना है कि गलवान घाटी में जो कुछ भी हुआ वह काफी दु:खद और निंदनीय है। भारत से कमाई कर चीन ने हमारे ही सैनिकों की जान ले ली। इस घटना से देशभर के लोगों में चीन के खिलाफ गुस्साए देशवासियों ने चीन के उत्पादों का बहिष्कार करने का फैसला किया है। लोग अपने इस फैसले को भूल न जाएं, इसके लिए हमने विशेष अभियान शुरु किया है। जो लोग राहत कोष में दान करते हैं उन्हें टी शर्ट देते हैं, ताकि वह जब कभी टी शर्ट पहनेंगे तो उस पर लिखा स्लोगन देख अन्य लोग भी जागृत होंगे और चीनी उत्पादों का बहिष्कार करें **और भारतीय कंपनियों को प्रोत्साहित करें।**

नौकरी की लालच देकर मुस्लिम शख्स ने तीन साल तक किया युवती से दुष्कर्म

क्रांति समय सुरत

राजकोट में मुस्लिम शख्स ने एक हिन्दू युवती को नौकरी की लालच देकर तीन साल तक उसे अलग अलग स्थानों पर ले जाकर दुष्कर्म किया। और लाखों रुपए भी ऐंठ लिए। राज. कोट तहसील पुलिस में रपट दर्ज होने के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाई शुरु की है। जानक. ारी के मुताबिक तीन साल पहले राजकोट में मुस्लिम शख्स ने एक हिन्दू युवती को अच्छी नौकरी दिलाने का वादा किया था। लेकिन उसके लिए प्रत्यक्ष मिलने आने को बुलाया था। युवती के मिलने के बाद मुस्लिम शख्स तीन साल तक अलग अलग होटल में ले गया और उसके साथ दुष्कर्म करने लगा। इतना ही नहीं इन तीन साल के दौरान शख्स ने युवती को आर्थिक रुप से भी बर्बाद कर कर दिया। टुकड़े टुकड़े कर करीब 19 लाख रुपए मुस्लिम शख्स ने हिन्दू युवती से ऐंठ लिए। मुस्लिम शख्स ने युवती की अश्लील तस्वीरें खींच ली थी, जिसे वायरल करने और परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी। बाद में शख्स ने अन्य युवती के साथ शादी कर ली। आखिरकार युवती ने राजकोट तहसील पुलिस थाने में मुस्लिम शख्स के खिलाफ रपट दर्ज करवा दी। जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाई शुरु की

गुजरात में छोटे पंडालों में सादगी से मनाया जाएगा गणेश महोत्सव

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, कोरोना संकट को देखते हुए गुजरात में गणेश महोत्सव सादगी से मनाने का गणेश महोत्सव एसोसिएशन ने फै. सला किया है। भीड़भाड़ होने से कोरोना संक्रमण फैल. ने की संभावना के चलते सरकार ने पहले ही सादगी से गणेश महोत्सव मनाने का आदेश दिया है। सरकार के आदेश के

बाद गणेश महोत्सव एसोसिएशन राज्यभर में गणेशोत्सव के आयोजन को लेकर मार्गदर्शिका बनाई है। जिसके मुताबिक गणेश पंडाल छोटा रखने और एक व्यक्ति ही आरती कर सकेगा। गणेश महोत्सव के दौरान प्रसाद वितरण नहीं किया जाएगा और श्रद्धालु अपने घर बैठे ही ऑनलाइन गणेशजी का दर्शन या आरती का लाभ ले सकेंगे। गणेश पंडाल में तीन फूट से बड़ी प्रतिमा की स्थापना नहीं की जाएगी। साथ ही सोशल डिस्टेंस के साथ ब्लड डोनेशन और प्लाज्मा डोनेट जैसे सेवा कार्यों का आयोजन करने को कहा गया है। इसके अलावा मुहल्ला, चाली, फ्लैट या सोसायटी में रहनेवाले लोगों के अतिरिक्त बाहरी लोगों को प्रवेश नहीं देने को कहा गया है।

मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती से रिक्शा चालक ने किया दुष्कर्म

क्रांति समय सुरत

वडोदरा, शहर में एक ऑटो रिक्शा चालक मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती को अपने घर ले गया, जहां उसके साथ दुष्कर्म किया। गोत्री पुलिस ने मामला दर्ज कर ऑटो रिक्शा चालक को गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज की है।

जानकारी के मुताबिक वडोदरा में मानसिक रूप से विक्षिप्त युवती को ऑटो चालक ने अपहरण कर लिया।

अपनी रिक्शा में युवती का अपहरण कर ऑटो चालक उसे अपने घर ले गया। जहां उसके साथ तीन दफा दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़ित युवती ने वडोदरा के गोत्री पु. लिस थाने में ऑटो रिक्शा चालक के खिलाफ शिकायत की है।

जिसके आधार पर गोत्री पुलिस ने दो अलग अलग टीमें बनाकर रिक्शा चालक को गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीण बहनों द्वारा तैयार राखियां सीमा पर जवानों को भेजीं

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की प्रेरणा से स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड की पहल पर रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर मां भारती की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर सरहद पर रात-दिन मुस्तैदी से तैनात हमारे जांबाज जवानों की रक्षा और उनका मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से गुजरात के हजारों गांवों की बहनों ने राखी तैयार की है।

'पहली राखी देश प्रेम की' कार्यक्रम के अंत. र्गत गुजरात के 15800 से अधिक गांवों की बहनों द्वारा तैयार की गई लगभग 21100 से अधिक राखियां और विजय सूत्र का संदेश शुक्रवार को स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड के पदाधिकारियों की ओर से गांधीनगर में मुख्यमंत्री विजय रुपाणी को सौंपा गया। बाजार से खरीदी हुई नहीं बल्कि राज्य के गांवों की बहनों द्वारा अपने हाथों से तैयार की गई इन राखियों और अपनी लोकभाषा में लिखे विजय सूत्र के संदेश को गुजरात सरकार की ओर से मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की ओर से देश की विभिन्न 18 सीमाओं की पहरेदारी करने वाले जवानों को भारतीय डाक विभाग के जरिए भेजा गया।

इन राखियों और विजय सूत्र संदेश को मुख्यमंत्री की ओर से कच्छ, उड़ी, जैसलमेर, सियाचिन, गलवान और बनासकांठा सीमा पर डटे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों को और जामनगर, भुज, पठानकोट, नलिया, श्रीनगर और मकरपुरा में तैनात भारतीय वायुसेना के जवानों तथा ओखा, पोरबंदर, मुंबई, लक्षद्वीप, विशाखापट्टनम और अंडमान-निकोबार में समुद्री सीमा पर तैनात नौसेना के जवानों सहित 18 सीमाओं पर तैनात जवानों को भेजा गया है। 'पहली राखी देश प्रेम की' कार्यक्रम के अंतर्गत राखी और विजय सूत्र संदेश एकत्रित करने के लिए स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड की ओर से आठ जोन निधारित किए गए थे। जिसमें अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अरवल्ली, बनासकांठा, भरुच, भावनगर, बोटाद, छोटाउदेपुर, दाहोद, देवभूमि द्वारका, गांधीनगर, गिर सोमनाथ, जामनगर, जूनागढ़, कच्छ, खेड़ा, महेसाणा, महिसागर, मोरबी, नर्मदा, नवसारी, पंचमहाल, पाटण, पोरबंदर, राजकोट, साबरकांठा, सूरत, सुरेन्द्रनगर, तापी, वडोदरा और वलसाड सहित कुल 32 जिलों का समावेश किया गया था। राखी और विजय सूत्र संदेश मुख्यमंत्री को सौंपने के अवसर पर अंजलिबेन रुपाणी तथा स्वामी विवेकानंद गुजरात राज्य युवा बोर्ड के पदाधिकारी और युवा उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)